केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 209 रविवार 23 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

थाना समाधान दिवस में भूमि विवाद के मामलों की रही भरमार

संवाददाता–बस्ती। जिले के सभी थानों पर शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान भूमि विवाद के प्रकरणों की भरमार रही। प्रभारी एसपी/ एएसपी ओमप्रकाश सिंह ने कप्तानगंज थाने के समाधान दिवस का औचक निरीक्षण किया। यहां उपस्थित फरियादियों की समस्याओं को सुना।

उन्होंने भूमि विवाद से संबंधित प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम गठित कर प्रभावी निस्तारण का निर्देश दिया। थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि महाशिवरात्रि और होली के मद्देनजर क्षेत्र में पूरी तरह सक्रियता बरती जाए। होलिका दहन स्थलों का निरीक्षण कर लें। साथ ही पूर्व में अगर कोई विवाद रहा तो उसे क्रास चेक कर लें। समाधान दिवस के दौरान राजस्व के अधिकारी भी मौजूद रहे। हर्रैया, छावनी, कोतवाली, पुरानी बस्ती, कलवारी समेत सभी थानों में समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

नायब तहसीलदार के प्रोन्नति पर खुशी की लहर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नायब तहसीलदार विजय कुमार गुप्ता सदर तहसील बस्ती में कार्यरत थे। राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा उन्हें तहसीलदार पद बस्ती जनपद में प्रोन्नति प्रदान की है। मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती द्वारा उन्हें मिठाई खिलाकर एवं पुष्पगुच्छ प्रदत्त कर आगामी उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी। सहायक भूलेख अधिकारी अजय कलेक्ट्रेट एवं तहसील कर्मचारियों द्वारा भी प्रोन्नति पर बधाई दी गई ।

मण्डलीय समीक्षा बैठक 27 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में विकास कार्यो की मासिक मण्डलीय समीक्षा बैठक आगामी 27 फरवरी 2025 को पूर्वान्ह 10.30 बजे से आयुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित किया जायेंगा।

उक्त जानकारी संयुक्त विकास आयुक्त बलराम कुमार ने दी है।

अस्पताल में युवक की मौत के बाद हंगामा

संवाददाता–कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। पुलिस ने बड़ी मुश्किल से लोगों को समझाया। नगर के नेशनल हाइवे के बगल स्थित आरएस हॉस्पिटल (सरस ग्रुप) में शनिवार की सुबह दुर्घटना में घायल एक युवक की मृत्यु को लेकर स्वजन पांच घंटे तक हंगामा किए। आरोप था कि उपचार के दौरान लापरवाही बरती गई है। दूसरी ओर घटना के बाद अस्पताल संचालक व स्टाफ फरार हो गया। काफी मशक्कत के बाद किसी तरह पुलिस शव को कब्जे में ले सकी। पडरौना कोतवाली के गांव खांव खड्डा में शुक्रवार की रात दो बजे नीलगाय से टकरा कर बाइक पर सवार नेबुआ नौरंगिया के पड़री निवासी 24 वर्षीय अभय मल्ल, चंदन सिंह व अंकुर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोग घायलों को जिला अस्पताल भिजवाए। स्थिति गंभीर देख चिकित्सकों ने तीनों को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। इस दौरान किसी ने सलाह दी तो स्वजन घायलों को लेकर कसया स्थित आरएस हॉस्पिटल पहुंचे। यहां उपचार शुरू हुआ। आरोप है कि उपचार के लिए 1.60 लाख रुपये जमा करने को कहा गया। एक लाख रुपये जमा हुए, शेष कुछ देर बाद देने को कहा गया। अस्पताल में कोई चिकित्सक नहीं था। केवल दो नर्स उपचार में जुटी थीं। सुबह अभय की मृत्यु हो गई। इसके बाद उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए स्वजन हंगामा शुरू कर दिए। गांव से महिलाएं भी पहुंच गईं।

नकारात्मक सोच रखने वाले लोग महाकुंभ पर कर रहे टिप्पणी –सीएम योगी

लखीमपुर खीरी (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ में शनिवार को शिव मंदिर कॉरिडोर की नींव रखी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने पौराणिक शिव मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन और पूजा अर्चना की। आधारशिला रखने के बाद सीएम योगी ने पब्लिक इंटर कॉलेज स्थित स्वर्गीय राजेंद्र गिरी स्टेडियम में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि से पूर्व गोला गोकर्णनाथ बाबा का दर्शन करने का सौभाग्य मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की क्षमता देखनी हो तो प्रयागराज महाकुंभ ही पर्याप्त है। अब तक 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में आकर आस्था की डुबकी लगाई है। क्या 60 करोड़ लोग एक निश्चित समयसीमा के अंदर किसी एक स्थल पर एकत्र हो पाएंगे। अन्यत्र यह संभव नहीं है, ये केवल प्रयागराज और उत्तर प्रदेश में ही हो सकता है। प्रयागराज में महाकुंभ भव्य और दिव्य तरीके से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को विकास अच्छा नहीं लगता है, वे लगातार नकारात्मक टिप्पणी करके बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। अच्छे कामों में प्रश्न खड़ा करते हैं, बाधा बनते हैं। उन्होंने कहा कि देश और सनातन के अनुयायियों ने विरोधियों को आईना दिखाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रदेश का सबसे बड़ा जिला लखीमपुर खीरी दुधवा नेशनल पार्क के साथ अब शिव मंदिर कॉरिडोर, बायो प्लास्टिक प्लांट, मेडिकल कॉलेज के लिए भी जाना जाएगा। देश जब आजाद हुआ था तो लखीमपुर खीरी बहुत पिछड़ा था। आज लखीमपुर में एयरपोर्ट बन रहा है। बाढ़ का स्थाई समाधान करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। ईको और धार्मिक पर्यटन का बढ़ावा देने के साथ धार्मिक एवं आध्यात्मिक धरोहरों को संजोया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोला गोकर्णनाथ के पावन कॉरिडोर में जिनकी दुकान गई हैं, दुकान बनवाकर उन्हें विस्थापित किया जाएगा। जिनके आवास गए हैं, उन्हें आवास दिए जाएंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम स्थल स्वर्गीय राजेंद्र गिरी स्टेडियम के मंच से ही 4500 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसमें गोला गोकर्णनाथ की 1622 करोड़ की विकास परियोजनाएं शामिल रहीं।

पीएम मोदी के प्रधान सचिव बने शक्तिकान्त दास

नई दिल्ली (आभा)। रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रिंसिपल सेक्रेटरी–2 नियुक्त किया गया है. उनका कार्यकाल प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के साथ ही समाप्त होगी. वह दिसंबर 2018 में रिजर्व बैंक के गवर्नर नियुक्त किए गए थे, और 10 दिसंबर 2024 का उनका कार्यकाल समाप्त हुआ। आदेश के मुताबिक, वह प्रधानमंत्री के प्रिंसिपल सेक्रेटरी–1 डॉक्टर पीके मिश्रा के साथ प्रधानमंत्री के प्रिंसिपल सेक्रेटरी के रूप में काम करेंगे।

केंद्र सरकार में अपॉइंटमेंट कमेटी द्वारा जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने शक्तिकांत दास, आईएएस (रिटायर्ड) (टीएन:80) की प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव–2 के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने के दिन से प्रभावी होगी. उनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री के कार्यकाल के साथ या अगले आदेश तक जारी रहेगी।

ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से ताल्लुक रखने वाले 67 वर्षीय शक्तिकांत दास तमिलनाडु कैडर के 1980 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। अपने करियर के दौरान उन्होंने केंद्र और तमिलनाडु सरकारों के लिए विभिन्न पदों पर काम किया है। केंद्र में उन्होंने विभिन्न चरणों में आर्थिक मामलों के सेक्रेटरी, फाइनेंस सेक्रेटरी और फर्टिलाइजर सेक्रेटरी के रूप में काम किया। वह दिल्ली के मशहूर सेंट स्टीफंस कॉलेज के स्टूडेंट रहे हैं। दिसंबर 2018 में शक्तिकांत दास को सरकार ने रिजर्व बैंक के प्रमुख के रूप में आश्चर्यजनक रूप से नियुक्त किया था। उन्होंने उर्जित पटेल की जगह ली थी, जिनके नेतृत्व में केंद्र सरकार ने डिमोनेटाइजेशन किया था। उर्जित पटेल ने बाद में किसी लेंडिंग पालिसी में बदलाव की मांग का विरोध करते हुए कथित रूप से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद रिप्लेसमेंट के रूप में शक्तिकांत दास को मौका मिला था।

तीन बेटियों संग महिला ने गंगा में लगाई छलांग

गढ़मुक्तेश्वर (आभा)। गढ़मुक्तेश्वर के मोहल्ले में मायके में रह रही महिला ने अपनी तीन बेटियों के साथ शनिवार की शाम खादर क्षेत्र के गांव लठीरा में पहुंच कर गंगा में छलांग लगा दी। वहां मौजूद लोगों ने महिला और उसकी दो बेटियों को तो बचा लिया, लेकिन उसकी एक वर्ष की बेटी गंगा के तेज बहाव में बह गई। काफी तलाश किए जाने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लग सका है।

नगर के मोहल्ला निवासी महिला की शादी क्षेत्र के ही गांव निवासी युवक के साथ हुई थी। शादी के बाद महिला ने चार बेटियों को जन्म दिया। चार बेटी होने पर पति और ससुराल पक्ष के लोग उसे अक्सर ताने देते थे। जिसे लेकर घर में विवाद भी होने लगा। विवाद के कारण महिला पिछले कई दिनों से अपनी चारों बेटियों के साथ मायके में रह रही थी। शनिवार की शाम को वह अपनी 13 वर्ष की बेटी को घर छोड़ कर पांच साल की बेटी समेत तीनों बेटियों को लेकर घर से बिना बताए नक्का कुआं मार्ग से होकर जनपद अमरोहा के गांव चक लठीरा के सामने गंगा किनारे पहुंच गई।

मानसिक रूप से परेशान महिला ने तीनों बेटियों के साथ गंगा में छलांग लगा दी। महिला की इस हरकत को देखकर वहां खेतों में काम करने वाले किसानों ने गंगा में कूद कर उसे और उसकी दो बेटियों को बचा लिया। हालांकि, एक वर्ष की बेटी गंगा के तेज बहाव में बह गई है। महिला को बचाने के बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला के परिजनों को भी मौके पर बुला लिया है।

मामला जनपद अमरोहा क्षेत्र से जुड़ा है। लेकिन, गंगा के इस पार का क्षेत्र होने के कारण कोतवाली पुलिस को वहां भेजा गया है। एक साल की बच्ची की तलाश लगातार कराई जा रही है। वहीं, महिला के ससुराल और मायके पक्ष के लोगों को भी सूचना दी गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सिद्धान्तों पर अटल रहने वाले पत्रकार थे दिनेश चन्द्र पाण्डेय– ज्ञानेन्द्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद की पत्रकारिता दिनेश चन्द्र पाण्डेय की ऋणी रहेगी। जब भी सिद्धान्तों पर अटल रहने, निडर और बेबाक रहने वाले पत्रकारों की चर्चा होगी, दिनेश चन्द्र पाण्डेय याद आयेंगे। यह बातें कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' ने कही। वे पार्टी दफ्तर पर आयोजित शोक सभा में दिनेश चन्द्र पाण्डेय को श्रद्धांजलि दे रहे थे। उन्होने कहा पाण्डेय जी ने आजीवन पत्रकारिता को ओढ़ा, बिछाया।

उनकी तीन पीढियां पत्रकारिता क्षेत्र में सक्रिय हैं। बड़ा नाम, अच्छी पारिवारिक पृष्ठभूमि और सामाजिक प्रतिष्ठा के होते हुये पाण्डेय जी ने कभी सादगी नही छोड़ा। उनके विचारों की ये महानता अगली पीढ़ी में भी समाहित हो चुकी है। ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने कहा नई पीढ़ी के पत्रकारों को दिने चन्द्र पाण्डेय की जीवनशैली से सीख लेनी चाहिये। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि दिनेश चन्द्र पाण्डेय का समूचा जीवन पत्रकारिता को समर्पित रहा। उन्होने बस्ती को बहुत कुछ दिया है। उनकी बेबाकी की लोग मिसालें दे रहे हैं। प्रवक्ता मो. रफीक खां ने कहा दिनेश चन्द्र पाण्डेय जी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होने कभी झूठ, नफरत और हिंसा का समर्थन नही किया।

पूर्व अध्यक्ष अनिरूद्ध त्रिपाठी ने दिनेश चन्द्र पाण्डेय के संघर्ष के दिनों को याद किया। अशोक श्रीवास्तव ने कहा पत्रकारिता का क्षेत्र बहुत चुनौतीपूर्ण है, विपरीत परिस्थितियों में भी दिनेश चन्द्र पाण्डेय पत्रकारों को साहस देते थे। समस्याओं का समाधान तो उनकी जुबान पर था। उनका सच के साथ खड़े रहने का संकल्प आजीवन कायम रहा चाहे निशाने पर उनके अपने ही क्यों न रहे हों। पत्रकारिता क्षेत्र की नई पीढ़ी उन्हे अभिभावक मानती थी। उनके व्यक्तित्व की विशालता और निष्पक्षता हमेशा पत्रकारों की पेरणास्रोत रहेगी। शोक सभा को गंगा प्रसाद मिश्र, लालजीत पहलवान, सुरेन्द्र मिश्रा सहित कई वक्ताओं ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर डीएन शास्त्री, विनय तिवारी, शकुन्तला देवी, हरिश्चन्द्र चौधरी, गुड्डू सोनकर, विजय कुमार, जेपी चौबे, सर्वेश शुक्ल, लालजी शर्मा, साधूसरन यादव, लक्ष्मी यादव, आशुतोष पाण्डेय एडेवोकेट, इजहार अहमद, अजीज, कमलेश तिवारी, मो. अशरफ अली, मदनलाल आदि मौजूद रहे।

होम्योपैथी चिकित्सा में उत्कृष्ट योगदान के लिये दार्जिलिंग में सम्मानित किये गये डा. वी.के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रख्यात चिकित्सक व समाजसेवी डा. वी.के. वर्मा को होम्योपैथी चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिये दार्जिलिंग में होम्योपैथी चिकित्सा संघ एवं डीएस ट्रेडर्स की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। समारोह में दूर देश से आये चिकित्सा क्षेत्र की तमाम विभूतियों ने डा. वर्मा के योगदान को सराहा। दार्जिलिंग से वापस लौटे डा. वी.के. वर्मा ने कहा हमारे हिस्से में आने वाला हर सम्मान बस्ती जनपद का सम्मान है।

अब तक कई देशों और राज्यों में बुलाकर सम्मानित किया जा चुका हूं। यह सब बस्ती जनपद का गौरव है। एक साधारण पृष्ठभूमि से यहां तक पहुंचाने में कहीं ने कहीं बस्ती जनपद के लोगों का योगदान रहा है, जो हमे समय समय पर ताकत देते रहे। दार्जिलिंग में डा. वी.के. वर्मा ने दुनियां में तेजी से बढ़ रहे हृदयरोगियों की संख्या पर चिंता जाहिर की। उन्होने जीवनचर्या पर प्रकाश डाला जो हमे हृदय रोग से छुटकारा दिला सकती है। डा. वी. के. वर्मा ने कहा विभिन्न रोगों में मरीज के पास यदि वक्त है, तो होम्योपैथी से बेहतर कोई चिकित्सा पद्धति नही है।

डा. वर्मा को दार्जिलिंग में प्रतीक चिन्ह, अंगवस्त्र आदि देकर सम्मानित किया। डा. वर्मा को सम्मानित किये जाने पर डा. आरएस दूबे, डा. वी.के. सोनकर, डा. रामकृष्ण लाल जगमग, डा. संदीप गुप्ता, डा. ओपी श्रीवास्तव, डा. एसवी तिवारी, डा. शिखा सिंह, आदर्श त्रिपाठी, डा. एसएस गुप्ता, डा. एमएल खान, डा. मो असलम, डा. बीवी मिश्रा, डा. केके सिंह, डा. एनके सिंह गौतम, डा. वीरेन्द्र तिवारी, डा. शैलेन्द्र तिवारी, डा. मनोज मिश्रा, डा. आरएन चौधरी, डा. जीसी वर्मा, डा. अजय आनंद, डा. जुनैद अहमद, डा. सतीश चौधरी, डा. प्रदीप शुक्ला, डा. धर्मेन्द्र चौधरी, डा. एसएस कनोजिया, डा. रामजी सोनी, डा. नरेश अग्रवाल, डा. महेश प्रसाद, डा. जीएम शुक्ला, डा. चन्द्रा सिंह, डा. रमेश चन्द्र, डा. सुरेश कौशल, डा. एसवी सिंह, डा. रंजीत सिंह, डा. फखरेयार, ड. प्रमोद चौधरी, डा. विनोद उपाध्याय, अशोक श्रीवास्तव, डा. अजीत श्रीवास्तव, रंजीत श्रीवास्तव, डा. एलके पाण्डे, कुलवेन्द्र सिंह, डा. एके वर्मा, डा. अनिल यादव, डा. एके. गुप्ता, डा. विनोद कुमार, डा. एके चौधरी आदि चिकित्सक व समाजसेवियों ने डा. वर्मा को बधाइयां व शुभकामनायें दिया है।

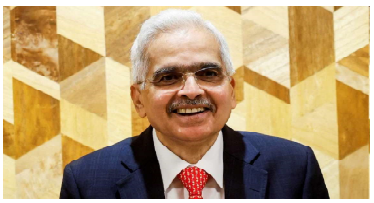

क्वीन मेरी की अवैध ब्लड स्टोरेज यूनिट बंद

लखनऊ (आभा)। लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग (क्वीनमेरी) में पिछले डेढ़ साल से बिना लाइसेंस चल रही ब्लड स्टोरेज यूनिट का संचालन शनिवार से रोक दिया गया। ब्लड स्टोरेज यूनिट का लाइसेंस जुलाई 2023 में समाप्त हो चुका है। इसके बाद से बिना लाइसेंस ही इसका संचालन हो रहा था। अमर उजाला में यह मुद्दा उठने के बाद शनिवार को इसका संचालन रोक दिया गया।

क्वीनमेरी की ब्लड स्टोरेज यूनिट संचालन के लिए ड्रग लाइसेंसिंग एंड कंट्रोलिंग अर्थारिटी ऑफ उत्तर प्रदेश ने 23 जुलाई 2021 को लाइसेंस जारी किया था। यह लाइसेंस दो साल के लिए मान्य था और 22 जुलाई 2023 को समाप्त हो गया।

इसके बाद न तो किसी ने इसका नवीनीकरण कराया। ना ही किसी ने लाइसेंस खत्म होने के बाद नए के लिए आवेदन किया। इस दौरान बिना लाइसेंस ही यूनिट का संचालन होता रहा। सरकारी संस्थान होने की वजह से लाइसेंसिंग एंड कंट्रोलिंग अर्थारिटी ने भी अभी तक इस पर कार्रवाई नहीं की। जबकि निजी सेंटर के खिलाफ नोटिस के साथ ही कड़ी कार्रवाई भी हो सकती है।वहीं दूसरी ओर क्वीन मेरी में इसका संचालन हो रहा था। शनिवार को केजीएमयू प्रशासन ने अवैध ब्लड स्टोरेज यूनिट का संचालन बंद करके वहां नोटिस चिपका दिया।

प्रो. केके सिंह, फैकल्टी इंचार्ज, मीडिया सेल केजीएमयू ने कहा कि क्वीनमेरी ब्लड स्टोरेज यूनिट का लाइसेंस नवीनीकरण न होने की वजह से इसका संचालन फिलहाल रोक दिया गया है। लाइसेंस नवीनीकरण के बाद ही इसका संचालन होगा।

पूर्व बसपा विधायक शेखर तिवारी की समयपूर्व नहीं होगी रिहाई

लखनऊ (आभा)। राजधानी लखनऊ के बहुचर्चित इंजीनियर मनोज कुमार गुप्ता हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व बसपा विधायक शेखर तिवारी की समयपूर्व रिहाई नहीं होगी। राज्यपाल ने उनकी समयपूर्व रिहाई की याचिका को नामंजूर कर दिया है, जिसके बाद शासन ने इसका आदेश जारी कर दिया है। पूर्व विधायक के अलावा घटना में शामिल उसके साथी देवेंद्र राजपूत और रामबाबू की याचिका भी नामंजूर हो गई है।

बता दें कि 24 दिसंबर 2008 को औरैया के तत्कालीन बसपा विधायक शेखर तिवारी ने अपने नौ अन्य साथियों के साथ मिलकर लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता मनोज कुमार गुप्ता का अपहरण करने के बाद उनकी पीटकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद राजधानी की अदालत ने उन्हें 6 मई 2011 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

वहीं हाईकोर्ट ने 23 फरवरी 2015 के अपने आदेश में निचली अदालत के फैसले को यथावत रखा था। शेखर तिवारी की ओर से 23 फरवरी 2024 तक करीब 15 वर्ष की सजा काटी जा चुकी थी। उच्चतम न्यायालय के आदेश पंर बंदियों को रिहा करने की प्रक्रिया के तहत शेखर तिवारी के बारे में औरैया के जिला प्रोबेशन अधिकारी, एसपी और जिला मजिस्ट्रेट से शासन ने आख्या मांगी गई थी, जिसमें उनकी रिहाई की संस्तुति नहीं की गई है। प्रोबेशन बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अवैध वसूली एवं बिल का भुगतान नहीं करने की रंजिश को लेकर शेखर तिवारी ने अपने साथियों के साथ इंजीनियर की पीटकर हत्या करने का जघन्य अपराध किया था। अपराध की गंभीरता को देखते हुए उनकी रिहाई की संस्तुति नहीं की जा सकती है।

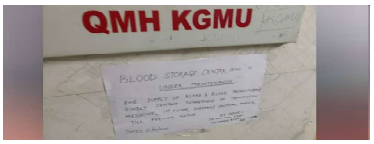

इस हाईप्रोफाइल मामले में शेखर तिवारी के साथ उनकी पत्नी को भी सुबूत नष्ट करने के आरोप में दो वर्ष की सजा हुई थी। इस मामले में दिबियापुर थाने के तत्कालीन निरीक्षक होशियार सिंह को भी आरोपी बनाया गया था।

संविदा पर नौकरी दिलाने के नाम पर साढ़े 19 लाख का गोलमाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सीएमओ कार्यालय में संविदा पर नियुक्ति कराने के नाम पर साढ़े 19 लाख रुपये के हेरफेर का मामला सामने आया है। आरोप है कि 17 युवकों को संविदा पर नौकरी दिलाने के लिए कुल साढ़े 24 लाख रुपये आरोपी ने लिया। नौकरी नहीं लगने पर सिर्फ पांच लाख रुपये वापस किया, शेष पैसा हड़प लिया। बाकी रकम मांगने पर हत्या कराने की धमकी दी। कोर्ट के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। शहर कोतवाली के काली कुंज बैरिहवां मोहल्ला निवासी अनूप श्रीवास्तव ने तहरीर में बताया है कि वह 2017 में एपीएन डिग्री कॉलेज में संविदा पर पढ़ाते थे। इसी दौरान सीएमओ कार्यालय में संविदा पर भर्ती के लिए विज्ञापन निकला था। आरोप है कि उनके मित्र अजय श्रीवास्तव ने भरोसा दिलाया कि मैं भर्ती करा दूंगा। इसके बाद एपीएन डिग्री कॉलेज में 17 छात्रों द्वारा अजय कुमार श्रीवास्तव को नौकरी के लिए 24 लाख 50 हजार रुपये देना तय हुआ। इसमें 15 लाख रुपये अमानुल्लाह उर्फ बब्लू के माध्यम से 5–5 लाख कर तीन बार में नकद दिया गया। परीक्षा के समय साढ़े सात लाख रुपया सचिन श्रीवास्तव के माध्यम से अजय को दिया गया। शेष 2 लाख रुपये उन्होंने खुद अजय श्रीवास्तव को दिया।आरोप है कि परीक्षा का रिजल्ट आया तो पैसा देने वाले बच्चों का नाम ही नहीं था। इसके बाद उन्होंने अजय कुमार श्रीवास्तव से रुपये वापस करने के लिए कहा। 2019 में अजय कुमार ने पांच लाख रुपये वापस किया। आरोप है कि शेष साढ़े 19 लाख रुपये अजय ने नहीं दिया। दोबारा पैसा की मांग किया तो धमकी दी कि तुमको और तुम्हारे पूरे परिवार को जान से मरवा दूंगा। कोतवाल राणा देवेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी अजय कुमार श्रीवास्तव निवासी रौतापार मड़वानगर थाना कोतवाली बस्ती हालमुकाम अलीगंज जनपद लखनऊ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना एसआई विश्वमोहन राय को सौंपी गई है।

नैनो यूरिया के प्रयोग से कृषि में क्रान्ती ला सकते है किसान -डा. आर.के. नायक

संवाददाता–बस्ती। कृषि विज्ञान केंद्र बंजरिया, बस्ती के नाना जी देशमुख सभागार में इफको बस्ती द्वारा तरल नैनो यूरिया, नैनो डीएपी पर आधारित सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इफको के उप महाप्रबंधक डॉ. आर.के. नायक ने अपने संबोधन में कहा कि इफको के नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के प्रयोग से मृदा के स्वास्थ्य में सुधार, जल एवं वायु प्रदूषण में कमी, फसल के उत्पादन व गुणवत्ता में वृद्धि तथा पारंपरिक उर्वरकों के प्रयोग में कमी होती है। इफको द्वारा इस समय विकसित सल्फर वेंटोलाइट, जिंक सल्फेट, मोनोहाइड्रेट, मैग्नीशियम सल्फेट, बोरान एवं नेचुरल पोटाश उपलब्ध है, जो किसानों को बाजार में आसानी से मिल जाती है, और इसके प्रयोग से फसल के उत्पादन

व उत्पादकता में वृद्धि होती है।

केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ पी. के. मिश्रा ने कहा कि ठोस उर्वरकों की अपेक्षा जल विलेय उर्वरकों के प्रयोग से उत्पादन में वृद्धि होती है। केंद्र के वैज्ञानिक आर. बी. सिंह ने कहा कि इसको बायो–डी कंम्पोजर के प्रयोग से फसलों के अवशेष और अन्य बायोवेस्ट से कंपोस्ट बनता है। मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की गतिविधियां बढ़ाकर मिट्टी की उर्वरा शक्ति और उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. वी.बी. सिंह ने कहा कि इफको का सागरिका समुद्री शैवाल के रूप में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले हार्मोन से परिणाम स्वरुप पौधों की तीव्र विकास होता है। डॉ. प्रेम शंकर ने तरल कंर्जोटिया (एन.पी.के.) के द्वारा बीज उपचार, जड़ उपचार एवं मृदा उपचार किया जाता है, जिससे पैदावार बढती है। केन्द्र के वैज्ञानिक हरिओम मिश्रा ने नैनो यूरिया प्रयोग व इफको के खरपतवारनाषी उत्पादों के बारे में जानकारी दी और डॉ. अंजली वर्मा, गृह वैज्ञानिक ने पोषण वाटिका में तरल नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के महत्व के बारे में प्रकाश डाला। कार्यक्रम में इफको के एरिया मैनेजर शुभम ने इफको के अन्य उत्पादों के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर जिले के इफको के तमाम खुदरा विक्रेता, वितरक एवं प्रगतिशील कृषक सहित केन्द्र के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 23 फरवरी 2025 रविवार

सम्पादकीय

दिल्ली में भाजपा सरकार

ढाई दशक बाद भाजपा के दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के उपरांत ग्यारह दिन की गोपनीयता के बाद बुधवार को नये मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता के नाम का खुलासा हुआ। बृहस्पतिवार को तमाम तामझाम के साथ रामलीला मैदान में उनका राज्याभिषेक भी हो गया। प्रधानमंत्री तथा केंद्रीय मंत्रियों, राजग के घटक दलों के नेताओं और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों व उप मुख्यमंत्रियों तथा भाजपा के दिग्गजों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री के अलावा छह मंत्रियों ने शपथ ली। शपथ लेने के बाद रेखा गुप्ता ने दिल्ली को संपन्न,विकसित, आत्मनिर्भर बनाकर राज्य की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने का संकल्प जताया। वे सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित व आतिशी के बाद चौथी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। यह संयोग ही है कि वे भी दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तरह वैश्य बिरादरी से ताल्लुक रखती हैं और हरियाणा मूल की हैं। वे हरियाणा मूल की तीसरी मुख्यमंत्री हैं। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिला वोटरों ने राजनीतिक परिदृश्य बदलने में निर्णायक भूमिका निभाई है। फलतरू राजनीतिक दलों ने महिला मतदाताओं को लुभाने के लिये लुभावनी योजनाएं घोषित की हैं। ऐसी योजनाओं का असर मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड के हालिया चुनावों में देखने को भी मिला है। ऐसे में रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने महिला मतदाताओं को यह संदेश देने का प्रयास भी किया है कि महिलाएं उसकी राजनीतिक प्राथमिकताओं में शामिल हैं। विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने महिलाओं को हर माह पच्चीस सौ रुपये देने का वायदा इसी मकसद से किया था। वैसे ऐसी ही घोषणाएं कांग्रेस व आप ने भी की थी। उल्लेखनीय तथ्य है कि भाजपा शासित राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में रेखा गुप्ता पहली महिला मुख्यमंत्री हैं। वहीं दूसरी ओर एक बार उनके चयन से भाजपा ने फिर साबित किया कि संघ व उसके आनुषंगिक संगठनों से आये नेताओं को ही शीर्ष पदों के चयन में वरीयता दी जाती है।

वहीं रेखा गुप्ता इस मायने में भाग्यशाली हैं कि वे पहली बार विधायक बनने के बावजूद मुख्यमंत्री का ताज हासिल करने में सफल रही हैं। हालांकि, वह भाजपा के विभिन्न संगठनों में पिछले तीन दशकों से सक्रिय रही हैं और तीन बार दिल्ली नगर निगम पार्षद भी रही हैं। हालांकि, इससे पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के पुत्र प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री बनाये जाने को लेकर खूब चर्चा रही। इसकी वजह उनकी राजनीतिक विरासत के अलावा, उनका आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को हराना भी था। जनता ने भी उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री की टक्कर का मानकर जिताया। कयास लगाये जा रहे थे कि कई कारणों से नाराज जाट समुदाय को मनाने की कोशिश में उन्हें यह पद मिल सकता है। लेकिन जैसा कि भाजपा की रणनीति रही है, वह राजनीति में परिवारवाद के तमगे से बचने का प्रयास करती रही है। राष्ट्रीय स्तर पर परिवारवाद का विरोध भाजपा का मुख्य एजेंडा भी रहा है। कुछ विवाद भी प्रवेश वर्मा की बयानबाजी को लेकर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर राजनीतिक मर्यादा को लांघने वाले रेखा गुप्ता के पुराने ट्वीट भी सोशल मीडिया पर खासे वायरल हो रहे हैं। वैसे तो भाजपा कह सकती है कि डबल इंजन की सरकार दिल्ली के विकास को नई दिशा देगी। लेकिन नई मुख्यमंत्री को आप सरकार के शैक्षिक सुधारों, मुफ्त बिजली—पानी, मोहल्ला क्लीनिक व अन्य लोककल्याण के कार्यक्रमों के बड़े विकल्प देने होंगे। दिल्ली की जनता लगातार प्रदूषण, जल भराव, विकास, कूड़े के ढेरों तथा ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ रही है। पूर्व मुख्य मंत्रियों व एलजी से टकराव के चलते दिल्ली के विकास की गति थम सी गई थी। एक महिला मुख्यमंत्री होने के नाते उन्हें बेटियों की सुरक्षा की अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि फिर दिल्ली में निर्भया कांड जैसे हादसे न हों। वहीं चुनाव के दौरान भाजपा के प्रमुख एजेंडे में शामिल रही यमुना की सफाई को भी उन्हें अपनी प्राथमिकता बनानी होगी। वहीं उन्हें ध्यान रखना होगा कि भले की आम आदमी पार्टी सत्ता से बाहर हुई हो,लेकिन अच्छे—खासे विधायकों के साथ वह एक मजबूत प्रतिरोधी विपक्ष के रूप में विधानसभा में मौजूद है।

कॉर्पोरेट्स से मिमियाना और किसानों पर धौंस

—देविंदर शर्मा—

ऐसा प्रतीत होता है कि केवल गरीब किसान और ग्रामीण श्रमिक की छोटी—मोटी ऋण गैर—अदायगी ही राष्ट्रीय खाते को बिगाड़ने के लिए जिम्मेदार हैं, जबकि कर्ज न चुकाने वाले अमीरों को आसानी से राहत मिल जाती है। इन अमीर डिफॉल्टरों में 16,000 से अधिक जान—बूझकर कर्ज न चुकाने वाले भी शामिल हैं, जिन पर बैंकों के 3.45 लाख करोड़ रुपये बकाया हैं।यह असमानता डरावनी है। एक आरटीआई याचिका का जवाब देते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया है कि 1 अप्रैल, 2014 से बैंकों ने भारत की विभिन्न कॉर्पोरेट्स की तरफ बकाया 16.61 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया है। वहीं, संसद में राजस्थान के सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि देश में बकाया कृषि ऋण अब 32 लाख करोड़ रुपये के अधिक हो गया है। 18.74 करोड़ से अधिक किसान देनदारी के बोझ तले दबे हैं।

बेनीवाल ने कहा कि वास्तव में कुल बकाया कृषि ऋण देश के वार्षिक बजट में कृषि क्षेत्र के लिए आवंटित धन से 20 गुना अधिक है। उन्होंने वित्त मंत्री से पूछा कि किसानों के लिए किसी भी प्रकार की कृषि ऋण माफी योजना का उल्लेख क्यों नहीं किया गया। इसके विपरीत, पिछले 11 वर्षों में भारत की कार्पोरेट्स का कुल 16.61 लाख करोड़ रुपये का बकाया ऋण बड़े खाते डाल दिया गया (केवल 16 प्रतिशत की वसूली हो पाई)। भारतीय बैंकों ने पिछले पांच वर्षों में इन कंपनियों पर चढ़े कर्ज में 10.6 लाख करोड़ रुपये माफ करने से पहले दूसरी बार नहीं सोचा। रिपोर्टों का कहना है कि बकाया ऋण में 50 प्रतिशत देनदारी बड़ी कंपनियों की है। लेकिन जब बारी किसानों की आए, तो कर्नाटक के शिमोगा में एक बैंक ने एक छोटे किसान को खाता बराबर करने के वास्ते बहुत तत्परता दिखाई, जिसे केवल 3.46 रुपये का बकाया चुकाने के लिए नियमित बस सेवा के अभाव में 15 किमी पैदल चलकर आना पड़ा!

अकेले वित्त वर्ष 2023—24 में, बैंकों ने कंपनियों के 1.7 लाख करोड़ रुपये माफ किए हैं। एक साल पहले, 2022—23 में, बैंकों ने 2.08 लाख करोड़ रुपये माफ किए थे। लेकिन जब बात कृषि ऋण माफ करने की आए, तो केंद्र ने ऐसा केवल दो बार किया है वर्ष 1990 और 2008 में। कुछ राज्य सरकारों ने इसे अलग से किया है, लेकिन यह बैंकों पर बोझ नहीं है, क्योंकि माफ की गई राशि का भुगतान उन सूबा सरकारों ने किया। जहां एक ओर कंपनियों का बकाया ऋण बड़ी दरियादिली से माफ कर दिया जाता है, मानो इस माफी से राष्ट्र निर्माण में मदद मिलती हो, वहीं दूसरी ओर एक महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की सदस्य को 35,000 रुपये वापस करने में असमर्थता के कारण प्रतीक्षारत पुलिस वैन में घसीटकर ले जाने जैसे दृश्य देखने को मिलते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि केवल गरीब किसान और ग्रामीण श्रमिक की छोटी—मोटी ऋण गैर—अदायगी ही राष्ट्रीय खाते को बिगाड़ने के लिए जिम्मेदार हैं, जबकि कर्ज न चुकाने वाले अमीरों को आसानी से राहत मिल जाती है। इन अमीर डिफॉल्टरों में 16,000 से अधिक जान—बूझकर कर्ज न चुकाने वाले भी शामिल हैं, जिन पर बैंकों के 3.45 लाख करोड़ रुपये बकाया हैं। जिनके बारे में आरबीआई ने भी माना है कि उनके पास पैसा था, लेकिन वे चुकाने को राजी न थे।

अब राजस्थान के पीलीबंगा के इस किसान के मामले को लें। उन्होंने एक फाइनेंस कंपनी से 2.70 लाख रुपये का कर्ज लिया और 2.57 लाख रुपये (महामारी के दौरान राज्य सरकार से प्राप्त 57,000 रुपये की सहायता राशि समेत) वापस कर दिए। लेकिन शेष राशि चुकाने में असमर्थ रहा, एक दिन जब वह घर वापस आता है तो पाते हैं कि घर पर उक्त लेनदार ने ताला जड़ दिया। बाद में, आक्रोशित ग्रामीणों ने ताला तोड़ा। अब इस अप्रिय घटना को उस 92 प्रतिशत 'हेयर—कट' (ऋण अंश माफी) के संदर्भ में देखा जाना चाहिए, जो बैंकों और उधारदाताओं ने कर दिखाया, जब पूर्वी भारत में मिश्रित धातु और इस्पात के एक प्रमुख निर्माता 'आधुनिक मेटैलिक्स' की तरफ बकाया 5,370 करोड़ रुपये के मामले में जुलाई, 2018 में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की कोलकाता शाखा ने 'समाधान प्रस्ताव' को मंजूरी देते हुए केवल 410 करोड़ रुपये की अदायगी की एवज में मामला रफा—दफा कर दिया।

जाहिर है, इतने बड़े 'हेयरकट' (कर्ज माफी) के साथ, कंपनी के प्रमोटरों ने कहा कि वे सभी गतिविधियों को पूरा करने और इस अग्रणी कंपनी को पुनर्जीवित करने की दिशा में काम शुरू करेंगे। कोई आश्चर्य नहीं, एक समय परिवर्तनकारी समाधान तंत्र के रूप में प्रशंसित दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी)— संदेह के घेरे में आ गई है और बैंक अब वसूली के लिए इसका उपयोग करने के लिए उत्साहित नहीं हैं। रिपोर्ट बताती हैं कि बैंकों और अन्य उधारदाताओं की वसूलियां कम हो रही हैं।

हालांकि, बड़ा सवाल बना हुआ है। यदि राजस्थान के एक किसान के घर पर महज 20,000 रुपये की शेष राशि चुकता न किए जाने पर ताला जड़ा जा सकता है, तो एनसीएलटी बकाया कर्ज का 92 प्रतिशत माफ करके आराम से निकल जाने का मौका देने की बजाय 'आधुनिक मेटालिक्स' जैसी फर्मों के परिसर की तालाबंदी क्यों नहीं की जाती और किसानों की तरह इसके मालिकों को भी सलाखों के पीछे क्यों नहीं डाला जाता? यदि किसी बड़ी कंपनी के लिए बड़ा 'हेयरकट' जरूरी है, तो किसानों को भी इस किस्म की नीति का लाभ क्यों नहीं मिलना चाहिए और वह भी अपेक्षाकृत छोटे—छोटे ढंग से? आखिरकार, उनका व्यक्तिगत बकाया कर्ज कॉर्पोरेट के अनचुके ऋणों का अंश मात्र भी नहीं है।

इसके अलावा, बैंक ग्राहकों की विभिन्न श्रेणियों के लिए बैंकिंग कानून अलग—अलग क्यों हों? क्या बैंक कभी आवास, कार, ट्रैक्टर या मोटरबाइक ऋण लेने वालों के साथ भी उस तरह का नरम व्यवहार करते हैं जैसा कि कॉर्पोरेट्स के साथ करते हैं? बैंक कब तक कंपनियों की तरफ बकाया ऋणों को अपने सिर पर लेने की आवश्यकता को उचित ठहराते रहेंगे, यह भी आर्थिक विकास के नाम पर? जब सोशल मीडिया पर किसानों के दर्दनाक वीडियो देखे जाते है, जैसा कि पंजाब और हरियाणा में उत्पाद के सही दाम न लगने पर मायूस किसानों द्वारा फूलगोभी और पत्तागोभी की अपनी खड़ी फसलों को ट्रैक्टर से कुचलते देखा और जिस तरह हाल ही में छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में किसानों को टमाटर की गिरी कीमतों का सामना करते पाया, तब 2018—19 के बजट में टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों को स्थिर बनाए रखने के वास्ते 500 करोड़ रुपये का प्रावधान कर शुरू की गई 'ऑपरेशन ग्रीन्स' नामक योजना की याद आती है।

जहां हर कोई इस बात से सहमत है कि कोल्ड चेन के नेटवर्क सहित कृषि बुनियादी ढांचे में पर्याप्त निवेश किसान के नुकसान को कम करने में मददगार हो सकता है, वास्तविकता यह है कि 'ऑपरेशन ग्रीन्स' सब्जियों की कीमतों को स्थिर करने में बुरी तरह विफल रहा है। एक कारण यह हो सकता है कि इस योजना को उचित वित्तीय सहायता नहीं मिल पा रही है। यह तथ्य इस मद्देनजर गलत है कि दिसंबर, 2023 में, एनसीएलटी दिवालिया हुई रिलायंस कम्युनिकेशंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (आरसीआईएल) के उस प्रस्ताव को मंजूर करे, जिसमें वादी बकाया ऋण का 99 प्रतिशत माफ करवाकर पल्ला झाड़ निकल ले। वर्ष 2018—19 में 'ऑपरेशन ग्रीन्स' के लिए रखे 500 करोड़ रुपये के मुकाबले, 47,251.34 करोड़ रुपये की कर्जाई आरसीआईएल को एनसीएलटी ने सिर्फ 455.92 करोड़ चुकाने करने का निर्देश देकर आराम से निकल जाने दिया। इसकी बकाया, अगर यह राशि वसूल की जाती और 'ऑपरेशन ग्रीन्स' में निवेश की जाती, तो फलों और सब्जियों की कीमतों को स्थिर करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे में निवेश करने के लिए वित्तीय संसाधनों की कोई कमी नहीं होती।

—लेखक कृषि एवं खाद्य मामलों के विशेषज्ञ हैं।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अवसर

—अशोक जोशी—

दुनियाभर में ऊर्जा के उपलब्ध स्रोत दिन—प्रतिदिन समाप्त होते जा रहे हैं। सरकारें वैकल्पिक स्रोतों पर निगाहें लगाए हुए हैं। ऊर्जा के इन वैकल्पिक स्रोतों में सौर ऊर्जा का महत्व अत्यधिक बढ़ा है। भारत जैसे देश जहां सूरज सबसे ज्यादा समय तक उपलब्ध है सौर ऊर्जा के क्षेत्र में बहुत कुछ कर सकता है और कर भी रहा है। भारत सरकार ने सौर ऊर्जा के उपयोग के लिए तरह—तरह की योजनाएं आरम्भ कर उपभोक्ताओं को बहुत सबसिडी देने का प्रयास किया है। सौर ऊर्जा न केवल ऊर्जा का बेहतरीन स्रोत है बल्कि कैरियर निर्माण के लिए भी एक अच्छा विकल्प है।

सोलर इंजीनियरिंग में कैरियर बनाने का मतलब है, सूरज की रोशनी से बिजली पैदा करने वाली प्रणालियों को डिजाइन करना, उनका निर्माण करना और रखरखाव भी करना। सोलर इंजीनियरिंग में कैरियर बनाने के लिए इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, केमिकल और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता हासिल करनी होती है। सोलर इंजीनियर्स सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट्स की प्लानिंग, डिजाइन तथा उसका कार्यान्वयन करते हैं। वह घर की छत पर लगाए जाने वाले रूफ टॉप इंस्टालेशन से लेकर बड़े प्रोजेक्ट्स को मैनेज करने तक के सभी काम करते हैं। उनका काम क्लाइंट कंसल्टेशन, साइट असेसमेंट्स तथा फाइनेंशियल असेसमेंट से आरम्भ होता है। जो उन्हें प्रोजेक्ट्स को समझने में मदद करते हैं। इसी के आधार पर सोलर इंजीनियर्स सारे तथ्यों को ध्यान में रखकर उचित योजना तैयार करते हैं। वह योजना के कार्यान्वयन पर भी नजर रखते हैं। प्रोजेक्ट के सही समय पर पूरा होने से लेकर लागत में कमी तक सारा काम इन्हीं के द्वारा संचालित किया जाता है। इतना ही नहीं, वित्तीय विश्लेषण से लेकर रेगुलेटरी आवश्यकताओं को पूरा करने तक में भी वे महत्वपूर्ण दायित्व निभाते हैं। इसके लिए उनमें शैक्षणिक योग्यता के साथ—साथ कम्प्यूटर डिजाइनिंग तथा फोटोवोल्टिक सिस्टम्स की टेस्टिंग का ज्ञान भी होना आवश्यक है।

दुनिया के सभी देश रीन्यूएबल एनर्जी पर अपनी निर्भरता बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। पारंपरिक ऊर्जा जैसे पेट्रोल, गैस आदि का तेजी से दोहन हो रहा है, वहीं इनकी कीमतें भी तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में सौर ऊर्जा यानि सोलर एनर्जी की तरफ आकर्षण बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण को होने वाले फायदे देखते हुए आजकल सोलर पॉवर जेनरेशन बड़े पैमाने पर हो रहा है। इस फील्ड में कैरियर एक शानदार विकल्प है। कमाई भी अच्छी है।

अधिकांश सोलर इंजीनियर्स आमतौर पर उनके ऑफिस में ही काम करते हैं। लेकिन उन्हें अलग—अलग कार्य स्थल के साथ—साथ विदेशों की यात्रा भी करनी पड़ती है। ऊपर चढ़ने जैसे जोखिमपूर्ण काम भी करने होते हैं। भारत में अब सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में मांग तेजी से बढ़ती जा रही है। एक अनुमान के अनुसार, अगले साल तक हमारे देश में तीन से पांच लाख कर्मियों की आवश्यकता होगी। इससे स्थानीय लोगों तथा मजदूरों को भी रोजगार के अच्छे अवसर उपलब्ध होंगे। भारत के सोलर इंजीनियर अपनी विशेषता के आधार पर विदेशों में भी बेहतर संभावनाएं खोज सकते हैं। सोलर एनर्जी के क्षेत्र में हो रहे विकास के साथ युवाओं के लिए कैरियर की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं। लगातार नई तकनीक आ रही हैं। ऐसे में आप सोलर एनर्जी के क्षेत्र में शाइनिंग कैरियर बना सकते हैं। पिछले एक दशक में सोलर इंडस्ट्री में सैकड़ों—हजारों नौकरियां पैदा हुई हैं। सोलर एनर्जी के क्षेत्र में कैरियर की शुरुआत में पेशेवर को 6—15 लाख रुपये तक का पैकेज मिलता है। सरकारी क्षेत्र की तुलना में निजी क्षेत्र का वेतन पैकेज ज्यादा है। अनुभवी पेशेवर महीने में डेढ़—दो लाख रुपये कमा लेते हैं।

सोलर एनर्जी में कैरियर बनाने के लिए उम्मीदवार का फिजिक्स, केमिस्ट्री और फिजिक्स विषयों के साथ 12वीं पास होना अनिवार्य है। इसके बाद में के निकल या इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री ले सकते हैं। सोलर इंजीनियर बनने के लिए केमिस्ट्री, कंप्यूटर साइंस, सिविल इंजीनियरिंग या इससे संबंधित विषयों में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। इस फील्ड में तरक्की के लिए एनर्जी पॉलिसी सोलर एनर्जी एंड फोटोवॉल्टिक, रिन्यूएबल एनर्जी और जियोथर्मल एनर्जी में मास्टर कोर्स करना सही है।

इसके लिए कई कोर्स उपलब्ध हैं जिनमें एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम पास करना जरूरी है। आईआईटी,एनआईटी जैसे टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश लेने के लिए जेईई की परीक्षा देनी होगी। इसके बाद बीएससी इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, बीई व बीटेक इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएशन एमई व एमटेक इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, एमएससी इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, बीटेक सोलर एंड अल्टरनेटिव एनर्जी और एमटेक इन रिन्यूएबल एनर्जी कोर्स कर सकते हैं। कुछ संस्थानों में पोस्ट ग्रेजुएट लेवल के एनर्जी मैनेजमेंट आदि कोर्स चलाए जाते हैं।

संबंधित पढ़ाई के लिए महत्वपूर्ण संस्थान—

वैसे तो देश के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों में सोलर इंजीनियरिंग के कोर्स चलाए जाते हैं। लेकिन इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण संस्थान हैं— आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी जोधपुर, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, उत्तराखंड, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, एनआईटी कालीकट, आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी, पटना, बिहार, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी, ठाणे, महाराष्ट्र।

राजनीति में महिलाओं का उदय

—अकु श्रीवास्तव—

सितम्बर 2023 में जब मोदी—2 सरकार ने संविधान में 128वां संशोधन कर नारीशक्ति वंदन अधिनियम बनवाया और इसे 2026 से लागू करने की बात कही, तब से ही विपक्ष इस सवाल के साथ भाजपा की आलोचना करता था कि किस भाजपा शासित राज्य में महिला मुख्यमंत्री है। खासकर मोदी सरकार की सबसे कटु आलोचक और देश में मौजूदा इकलौती मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गाहे—बगाहे यह सवाल हर मंच से उठाती थीं। यह सवाल इसलिए भी बहुत भारी था, क्योंकि बीस राज्यों में एन.डी.ए. की सरकार थी, इनमें 15 में सीधे भाजपा के मुख्यमंत्री थे मगर इनमें एक भी राज्य में महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। (वैसे तब कुछ दिनों पहले तक भाजपा के साथ 16 राज्य थे लेकिन एक राज्य मणिपुर में फिलहाल राष्ट्रपति शासन है) उस पर नारीशक्ति वंदन अधिनियम बनाकर भी उसका लागू होना अगले परिसीमन तक टाल दिया गया था। क्योंकि यह परिसीमन जनगणना के बाद होना है और छह साल से लंबित जनगणना कब शुरू होगी, सरकार इसका भी स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रही है। इस तरह नारीशक्ति वंदन अधिनियम से न तो अभी तक देश की महिलाओं को कोई लाभ हुआ है और न ही इससे भाजपा को।

दिल्ली में मतदान से पहले आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने दावा किया था कि 60 प्रतिशत महिला मतदाता उन्हें वोट देती हैं। इतना ही नहीं, अधिकांश राजनीति विश्लेषक भी इस बात को मान रहे थे कि दिल्ली की महिला मतदाताओं पर केजरीवाल की अच्छी पकड़ है। इसकी वजह महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा और महिलाओं को सरकार से मिलने वाले सीधे लाभ थे। चुनाव से कुछ पहले दिल्ली को आतिशी के रूप में महिला मुख्यमंत्री देकर पार्टी को महिलाओं का खूब शुभचिंतक दिखाने का काम भी अरविंद केजरीवाल ने किया था। मगर 8 फरवरी को दिल्ली चुनाव के नतीजे आने के बाद 11 दिन की मैराथन कशमकश के बाद भाजपा हाईकमान ने रेखा गुप्ता के रूप में राज्य को महिला मुख्यमंत्री

देकर विपक्ष की सभी आलोचनाओं का मुंह पूरी तरह बंद कर दिया है। **रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाना उनकी भूमिका राज्य तक सीमित करना नहीं है, बल्कि उनके जरिए भाजपा देश भर में महिलाओं को प्रेरित करेगी। रेखा गुप्ता, जिन्होंने राजनीति की बाराहखड़ी छात्र जीवन में ही संघ के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से सीखी, के जिम्मे अब देशभर की महिलाओं को पार्टी से जोडने का काम होगा।**

दिल्ली के जितने भी दिखने और दिखाने वाले काम हैं, उनमें अफसरशाही, एल.जी. और केंद्रीय मंत्रालयों का उन्हें पूरा समर्थन होगा। कानून—व्यवस्था सुधारने की जिम्मेदारी तो हमेशा से केंद्रीय गृहमंत्री के पास रहती है। नैशनल हाइवे, जिनकी हालत दिल्ली के सीमावर्ती क्षेत्रों में मानसून के पहले से ही काफी दयनीय है, को सुधारने का काम केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी संभाल लेंगे। **भाजपा ने अब तक देश को 5 महिला मुख्यमंत्री दिए हैं। इनमें सुषमा स्वराज, उमा भारती, वसुंधरा राजे, आनंदीबेन पटेल और रेखा गुप्ता का नाम है। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाते ही भाजपा ने कांग्रेस द्वारा देश को पांच मुख्यमंत्री देने के रिकार्ड की भी बराबरी कर ली है।** सुचेता कृपलानी, नंदनी सत्पथी, सईदा अनवरा तैमूर, शीला दीक्षित और रजिंदर कौर भट्टल सहित कांग्रेस ने भी देश को पांच ही महिला मुख्यमंत्री दिए हैं। अब सिर्फ तीन राज्यों हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस सरकार है और एक भी राज्य में महिला मुख्यमंत्री नहीं है। यहां तक कि डिप्टी सी.एम. भी नहीं है।

ऐसे में कांग्रेस प्रियंका गांधी को आगे लाकर भाजपा के खिलाफ महिलाओं के संबंध में जो नेरेटिव गढने की कोशिश कर रही थी, रेखा गुप्ता के चयन ने उसकी पोल खोल दी है। रेखा गुप्ता की राजनीतिक सक्रियता सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं है। वह वर्ष 2004 से 2006 तक भारतीय जनता युवा मोर्चा की राष्ट्रीय सचिव रह चुकी हैं। दिल्ली में विपक्ष ने भी उनके मुख्यमंत्री चयन पर खुशी जाहिर की। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने एक्स पर लिखा, ''यह खुशी की बात है कि दिल्ली का नेतृत्व एक महिला करेगी, दिल्ली के विकास के लिए आम आदमी पार्टी का पूरा सहयोग आपको मिलेगा।'' चुनाव के समय भाजपा की ओर से दिल्ली की जनता से किए गए वायदे पूरा करने में भी रेखा गुप्ता को कोई बड़ी अड़चन आती नहीं दिख रही है। खासकर महिलाओं के उत्थान के लिए किए गए वायदों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं पार्टी का रुख स्पष्ट कर चुके हैं। इस तरह रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा हाईकमान देश भर में महिला नेतृत्व को सशक्त कर पार्टी खुद को भविष्य की जमीन से जुड़ी मजबूत राजनीति के लिए तैयार कर रही है। देश में महिलाएं अपने राजनीतिक अधिकारों के प्रति जागरूक हो रही हैं। उनकी भागीदारी और राजनीतिक सक्रियता बढ़ रही है।

बाइक सवार 10वीं के तीन छात्रों को ट्रक ने रौंद, मौत, परीक्षा केंद्र देखने जा रहे थे

संवाददाता–बलरामपुर। शनिवार की दोपहर भीषण हादसे में तीन परीक्षार्थियों की मौत हो गई। तीनों एक ही बाइक पर परीक्षा केंद्र देखने हरिहरगंज जा रहे थे। रास्ते में एक वाहन को ओवरटेक करते समय बहराइच की तरफ से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली।

हादसा कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के सेखुइया के पास हुआ। सुंदरदास रामलाल इंटर कॉलेज में 10वीं के विद्यार्थी विकास कुमार (18), सरस्वती विद्या मंदिर में 10वीं के छात्र अजय यादव (18) निवासी बेला कोड़री तथा सरस्वती विद्या मंदिर में 10वीं की पढ़ाई करने वाले मोतीपुर दादव गांव निवासी शिवम कुमार (18) की हादसे में मौत हुई है।

बहराइच रोड पर पार्वती इंटर कॉलेज हरिहरगंज में तीनों विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षा सोमवार से थी। तीनों दसवीं के विद्यार्थी थे। एक साथ ही शहर में कमरा किराये पर लेकर पढ़ाई कर रहे थे।

प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि तीनों के परिजनों को सूचना भेजी गई है। बाइक को अजय यादव चला रहा था। हेलमेट भी नहीं पहन रखा था। बताया कि ट्रक को थाने ले आया गया है। एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

गन्ना तौल कराने गए छात्र पर झोंका फायर, लखनऊ रेफर

संवाददाता–गोंडा। इटियाथोक क्षेत्र के बकठोरवा गन्ना क्रय केंद्र पर शुक्रवार करीब 11 बजे पुरानी रंजिश में दूसरे युवक ने अवैध पिस्टल से फायर झोंक दिया। अवैध पिस्टल से निकली गोली हाईस्कूल के छात्र भानु प्रताप की बायीं आंख को छूती हुई निकल गई। आरोपी ने अवैध असलहे की बट से किशोर के सिर पर पीछे पर हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी युवक मौके से भाग निकला। उधर, अफरा–तफरी के बीच क्रय केंद्र पर कुछ देर के लिए तौल बंद रही। घायल छात्र की हालत गम्भीर देख बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मामला कोतवाली इटियाथोक के बकठोरवा गन्ना क्रय केन्द्र का है। सोमवार की सुबह करीब 11 बजे गिलौली निवासी रिटायर्ड फौजी रामनरेश चौबे का बेटा भानु प्रताप चौबे ट्रैक्टर–ट्राली से गन्ना बेचने क्रय केन्द्र आया था। आरोप है कि गन्ने का तौल कराने के दौरान विशाल पाण्डेय पुत्र रमाकांत पाण्डेय निवासी तुलसीपुर कोड़री थाना कोतवाली देहात ने अवैध पिस्टल से उसके ऊपर फायर झोंक दिया। इसके बाद उसने अवैध पिस्टल की बट से उसके सिर पर प्रहार किए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजन भानु प्रताप को लेकर इटियाथोक कोतवाली पहुंचे। पुलिस ने फौरन युवक को सीएचसी पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे गोंडा मेडिकल कालजे भेज दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबक घटना के बाद अफरातफरी मचने से केन्द्र पर कुछ समय के लिए गन्ने की तौल बन्द हो गई। रिटायर्ड फौजी राम नरेश चौबे ने बताया मामले के मुख्य आरोपी विशाल पाण्डेय से हम लोगों की पुरानी रंजिश चल रही थी। आरोपी विशाल पाण्डेय लुधियाना से शुक्रवार को आया था। पीड़ित पिता ने बताया कि उनका बेटा भानूप्रताप चौबे हाईस्कूल का छात्र था। उसकी परीक्षा किसान इण्टर कालेज मल्लापुर में 24 फरवरी से है। सूचना पर देहात कोतवाली के एसएसआई गजेंद्र पांडेय और इटियाथोक पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। गन्ना तौल केन्द्र लिपिक और चौकीदार से घटना की जानकारी ली। प्रभारी निरीक्षक इटियाथोक शेषमणि पाण्डेय ने बताया कि रामनरेश चौबे की तहरीर पर मुख्य आरोपी विशाल पाण्डेय के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

तीन महीने का मानदेय बकाया कैसे करें गुजारा

संवाददाता–गोंडा। जिले के परिषदीय व माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों को एमडीएम परोसकर पेट भरने का काम करने वाली रसोइयों को मिलने वाला मानदेय चार महीने से बाकी है। इससे इन लोगों को जीवन–यापन करने में काफी दुश्वारियां उठानी पड़ती हैं। जिले के 2609 परिषदीय विद्यालयों सहित राजकीय, अनुदानित विद्यालयों के साथ मदरसों में विद्यार्थियों के लिए मध्यान्ह भोजन पकाने वाली 7874 रसोइयों को चार महीने का मानदेय बकाया है। हर माह दो हजार रुपये अल्प मानदेय पानी वाली रसोइयों ने कहा कि सुबह स्कूल खुलने से लेकर बंद होने तक काम करने के बाद समय पर भुगतान नहीं होता है। इससे उनके समक्ष परिवार चलाने में चलाने में दिक्कत आती है। बच्चों के लिए एमडीएम बनाने वाली रसोइयों में सुनीता देवी, गुड्डन, कमला देवी, रंजना ने बताया कि कुछ दिन पहले तीन हजार रुपए खाते में आए हैं। उन्होंने बताया कि इसके बाद भी चार महीने का मानदेय बाकी है। लोगों ने बताया कि कम पढ़ी लिखी होने के चलते बहुत कुछ नही जान पाती हूं। जिससे हमारे हक को दबा दिया जाता है।

जिला समन्वयक एमडीएम गणेश गुप्ता ने बताया कि नवंबर महीने तक का मानदेय खाते में भेजा गया है। रसोइयों को दो महीने का मानदेय का बजट आया है। इसे जल्द भेजा जाएगा।

पति समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा

संवाददाता–गोंडा। कोतवाली देहात क्षेत्र की विवाहिता ने अपने पति, सास–ससुर, जेठ और देवर के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने आईजी देवापाटनमंडल अमित पाठक के निर्देश पर यह कार्रवाई की है। थानाक्षेत्र के भदवा सोमवंशी के बिरवापुर की सुनीता पुत्री स्वर्गीय रामदेव ने आईजी देवीपाटन को दिए प्रार्थना पत्र में कहा है कि उसकी शादी 2018 में हरीश पुत्र तिलकराम निवासी ग्राम रमवापुर श्याम के साथ संपन्न हुई थी। विवाह के समय मायकेवालों ने अपनी हैसियत के मुताबिक दान–दहेज भी दिया था। उसकी बेटी तीन साल की है। पिता की मौत होने के बाद मायके में सिर्फ उसकी मां है। विवाह के कुछ दिन बाद से ही पति हरीश, सास विमला, ससुर तिलक राम पुत्र ठाकुर, जेठ ओमप्रकाश तथा देवर ब्रीश ने उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। आरोप है कि ये लोग कहते है कि तुम्हारे मां के पास दो बीघा खेती है बेचकर घ्एक लाख रुपए नकद और बाइक लेकर आओ । यही नहीं ससुराल वालों ने बीते साल दो नवंबर की रात लगभग 8:00 बजे उसे चारपाई से बांधकर जमकर मारा–पीटा और ध ामकी दी। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात संजय सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है।

किसान सभा ने नौ सूत्री ज्ञापन सौंपा

संवाददाता–गोंडा। किसान सभा के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति संबोधित नौ सूत्रीय मांग पत्र सिटी मजिस्ट्रेट को देकर समस्याओं के निदान की मांग की। शनिवार को उत्तर प्रदेश किसान सभा जिला कौंसिल के अध्यक्ष दीनानाथ त्रिपाठी व महामंत्री अरूण कुमार के नेतृत्व में किसानों की समस्याओं का नौ सूत्रीय मांग पत्र सिटी मजिस्ट्रेट पंकज वर्मा को दिया। इसमें गेहूं का समर्थन मूल्य तीन हजार करने, कृषि यंत्रों पर पूर्व की भांति सब्सिडी व जीएसटी कर मुक्त करने, सिंचाई, गन्ना बिक्री आदि नौ सूत्रीय बिंदुओं पर समस्या के निराकरण की मांग की गई। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री सुरेश त्रिपाठी, कार्यकारिणी सदस्य दीनानाथ त्रिपाठी, राम किशोर, हनुमान तिवारी, मो हुसैन, कल्लू शाह, राम किशोर भारती, सुभाष चंद श्रीवास्तव , ननकऊ, ओम प्रकाश, अरविंद कुमार पांडेय, अयोध्या प्रसाद पांडेय, राज कुमार वर्मा, शशांक खट्टर, भगवान दयाल, मोहित तिवारी आदि शामिल रहे।

हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का किया आयोजन

संवाददाता–गोंडा। विभागीय उच्च अधिकारियों के निर्देश के क्रम मे शनिवार को कंपोजिट विद्यालय बरईपारा में हिंदी सुलेख प्रतियोगिता आयोजित की गयी। दो श्रेणियों में आयोजित इस प्रतियोगिता की प्रथम श्रेणी में कक्षा तीन से पांच तक के बच्चों ने प्रतिभाग किया। दूसरी श्रेणी में कक्षा छह से आठ तक के बच्चों में प्रतिभाग किया। विद्यालय के भाषा शिक्षक अरुण मिश्रा ने बताया की विभागीय निर्देश के क्रम में छात्र–छात्राओं के लेखन कौशल को निखारने एवं उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दिए जाने की दृष्टिगत हिंदी सुलेख प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें कुल 32 बच्चों ने प्रतिभाग किया।

प्रथम श्रेणी से सतीश कुमार को और द्वितीय श्रेणी से कृष्णा को सर्वश्रेष्ठ लेखन के लिए चयनित किया गया । दोनों विजयी छात्रों को विद्यालय की तरफ से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया तो वहीं अन्य सभी प्रतिभागी बच्चों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया । इस अवसर पर प्रधानाध्यापक सलमान, गोपाल प्रसाद, अरुण मिश्र, सौरभ वर्मा विजय कुमार भारती और महेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे ।

पूर्व बसपा विधायक बृज कुंवरि सिंह का बीमारी के चलते निधन, पार्टी कार्यकर्ताओं में शोक की लहर

संवाददाता–गोण्डा। करनैलगंज की पूर्व बसपा विधायक बृज कुंवरि सिंह की लखनऊ के एक अस्पताल में इलाज के दौरान शुक्रवार की रात मौत हो गई। इससे पहले 23 जनवरी को उनके भाई पूर्व विधायक अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भैया की मौत हुई थी। एक माह के भीतर बाई बहन की मौत से बरगदी कोट में शोक की लहर दौड़ गई।

2007 के विधानसभा चुनाव में कुंवर अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भैया कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते थे, उसके बाद मध्यावधि चुनाव वर्ष 2008 में लल्ला भैया ने खुद चुनाव मैदान में न आकर बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर अपनी बहन कुंवरि बृज सिंह को चुनाव मैदान में उतारा और उन्हें विधायक बनाया।

बताया गया कि वह गंभीर बीमारी से पीड़ित थी, जिनका लखनऊ के एक अस्पताल में इलाज चल रहा था। जहां उन्होंने शुक्रवार की रात अंतिम सांस ली। पूर्व विधायक के निधन का समाचार आते ही उनके आवास पर समर्थक पहुंचने लगे हैं।

50 गन्ना किसानों का अध्ययन दल पश्चिमी यूपी के लिए रवाना

संवाददाता–कुशीनगर। पूर्वी उत्तर प्रदेश में गन्ना की उत्पादध्कता, चीनी परता में वृद्धि करने व किसानों की आय बढ़ाने के लिए शासन द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में गन्ना अनुसंधान संस्थान, कृषि विश्वविद्यालय, सब्जी, दलहन, पशु विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे शोध तकनीक को प्रयोगशाला से किसानों के खेतों तक पहुंचाने के लिए गोरखपुर बस्ती, आजमगढ़ मंडल के 10 जिलों तथा गाजीपुर, जौनपुर सहित कुल 12 जिलों के 50 गन्ना किसानों का अध्ययन दल 22 फरवरी को गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच गोरखपुर द्वारा नौ दिवसीय अध्ययन यात्रा पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश भेजा गया।

यह जानकारी उत्तर प्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र पिपराइच, गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि इस अध्ययन यात्रा का कुशल मार्गदर्शन लाल बहादुर शास्त्री गन्ना किसान संस्थान लखनऊ के निदेशक विश्वेश कनौजिया द्वारा किया जा रहा है। उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में गन्ने की औसत उपज प्रति हेक्टेयर गोरखपुर की 707 कुन्तल, देवरिया की 677 कुंतल, कुशीनगर की 792 कुंतल तथा बस्ती की 699 कुंतल है, जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शामली जिले की 1036 कुंतल, मेरठ का 919 कुंतल, बागपत का 903 कुंतल तथा बिजनौर का 897 कुंतल प्रति हेक्टेयर है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गन्ने की औसत उपज पूर्वांचल से अधिक क्यों है, किसानों का यह दल इसका अध्ययन करेगा। पूर्व सहायक निदेशक ने बताया कि अध्ययन दल, कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या, कानपुर, प्रयागराज तथा गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ, शाहजहांपुर, मुजफ्फरनगर, पशु अनुसंधान संस्थान बरेली, पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय मथुरा, भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कल्याणपुर कानपुर, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी, केन्द्रीय बागवानी संस्थान रहमानखेड़ा लखनऊ आदि विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों से प्रशिक्षण लेगा। ये किसान आधुनिक बड़ी चीनी मिल तथा प्रगतिशील कृषकों का खेत भी देखेंगे।

डिप्टी सीएमओ ने किया आंगनबाड़ी का निरीक्षण, दी चेतावनी

संवाददाता–महराजगंज। डिप्टी सीएमओ डॉ केपी सिंह ने घुघली ब्लॉक के नारायणपुर गांव के नौका टोला पर आंगनबाड़ी के घर पर संचालित छाया वीएचएनडी सत्र का निरीक्षण किया गया। आशा का ड्यू लिस्ट अपूर्ण मिलने पर नाराजगी व्यक्त की। पिछले तीन सत्र पर इस आशा के वहा केवल एक ही पेंटा का टीका लगा है, जिसके लिए ऐनम को भी सुधार के लिए चेतावनी दी गई।

आम के पेड़ से टकराया नेपाल जा रहा टैंकर

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा के रास्ते नेपाल जा रहा जेट फ्यूल का टैंकर शनिवार की सुबह गोंडा बलरामपुर नेशनल हाईवे पर पारासराय गांव के पास आम के पेड़ से टकरा गया। जोरदार टक्कर से टैंकर का बायां हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर से फर्स्ट चैंबर में रिसाव शुरू हो गया। टैंकर चालक प्रशांत राना व सहयोगी प्रदीप राना निवासी स्यानखाल नेपाल ने बताया कि वह लखनऊ से जेट फ्यूल लेकर नेपाल के भैरहवा जा रहा था। टैंकर में करीब बारह हजार लीटर जेट फ्यूल था।सुबह झपकी आने से टैंकर पेड़ से भिड़ गया।किसी को चोट नहीं आई। फर्स्ट चौंबर से रिसाव होने लगा। लोग डिब्बे लेकर तेल भर कर ले जाने लगे। पुलिस ने लोगों को वहां से खदेड़ दिया।मौके पर आधे घंटे के भीतर फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंची।

घर में घुसकर चोरों ने की मारपीट, चोरी की वारदात को दिया अंजाम, फायरिंग कर हुए फरार

संवाददाता–श्रावस्ती। शुक्रवार की रात घर में दीवार फांदकर चोर घुस गए। जहां से चोर महिला के नाक व कान के जेवर सहित अन्य सामान पार कर लिया। वहीं विरोध पर महिला पर कट्टे के बट से वार कर घायल कर दिया। घटना के बाद चोर फायर कर फरार हो गए। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना मल्हीपुर थाना क्षेत्र के परसोहना गांव की है। गांव निवासी सलमान खां मौजूद समय साउथ अफ्रीका में रहकर मजदूरी करता है। घर पर उसकी पत्नी सजमुत्तुल निशा अपने दो बच्चे सोनू (5) व जीशान (3) के साथ रहती है। शुक्रवार रात वह बच्चों के साथ सो रही थी।

आधी रात के करीब दीवार फांदकर घर में चार चोर घुस आए। जहां सजमुत्तुल निशा से नाक, कान

व गले का जेवर छीनने लगे। इसका सजमुत्तुल निशा ने विरोध करते हुए शोर मचाया। तो एक चोर ने तमंचे के बट से उस पर वार कर घायल कर दिया। इस दौरान उसके पैर का नाखून भी तोड़ दिया। शोर सुन ग्रामीणों को आता देख चोर हवाई फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए।

सूचना के बाद पहुंची पीआरवी व स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। पीड़िता की तहरीर पर मल्हीपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस बारे में थानाध्यक्ष मल्हीपुर शैलकांत उपाध्याय का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। वहीं घायल महिला को सीएचसी मल्हीपुर ले जाया गया।

1800 प्रतिमाओं का 2 से 6 मार्च तक होगा पंचकल्याणक महोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री दिगंबर जैन अयोध्या तीर्थ क्षेत्र कमेटी के तत्वाधान में फाल्गुन शुक्ल तृतीया 2 मार्च से फाल्गुन शुक्ल सप्तमी 6 मार्च तक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया गया है। तीन लोक रचना में सिद्ध भगवंतों की 727 जिनप्रतिमाएं विराजमान और भगवान ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर तक की अन्य 1008 प्रतिमाओं का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा होगा। यानी लगभग 1800 प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा होगी। कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल समेत अन्य विशिष्टजनों को आमंत्रित किया गया है। पंचकल्याणक महोत्सव को सर्वोच्च जैन साध्वी गणिनीप्रमुख ज्ञानमती माता अपना पावन सानिध्य प्रदान करेंगी। शनिवार को जैन मंदिर रायगंज में गणिनीप्रमुख ज्ञानमती माता ने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि अयोध्या नगरी प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव आदि पांच भगवंतों की जन्मभूमि है। ऐसी महान तीर्थभूमि पर जैन धर्म के अनेक जिनमंदिर अयोध्या के विभिन्न स्थानों पर दर्शनीय और वंदनाथमि इन जिनमंदिरों में रायगंज स्थित भगवान ऋषभदेव दिगम्बर जैन मंदिर बड़ी मूर्ति का परिसर 6 एकड़ विशाल प्रांगण में अपनी अद्वितीय आभा बिखेरता हुआ जैनधर्म की प्राचीनता एवं इसके इतिहास को जगजाहिर कर रहा है।इस तीनलोक रचना में सिद्ध भगवंतों की 727 जिनप्रतिमाएं विराजमान होंगी। इसी के साथ भगवान ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर तक की अन्य 1008 प्रतिमाओं का भी पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव 2 मार्च से 6 मार्च तक राष्ट्रीय स्तर पर संपन्न होगा।

प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका चंदनामती माता एवं तीर्थ के अध्यक्ष पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामी

ने बताया कि पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव को आचार्यश्री भद्रबाहुसागर, क्षुल्लक ध्यानसागर एवं श्रवणबेलगोला के भट्टारक स्वस्तिश्री चारुकीर्ति का सानिध्य प्राप्त होगा। महोत्सव में देश से पांच हजार भक्तजन शामिल होंगे। अनुष्ठान को प्रतिष्ठाचार्य विजय कुमार जैन, पं. ऋषभसेन जैन उपाध्ये, पं. सतेन्द्र जैन, पं. अकलंक जैन आदि विद्वत जन सम्पन्न करायेंगे। अयोध्या में एक साथ लगभग 1800 प्रतिमाओं के गर्भकल्याणक, जन्मकल्याणक, दीक्षाकल्याणक, केवल ज्ञानकल्याणक, मोक्षकल्याण के साथ इन सारी प्रतिमाओं को मंत्रोच्चार एवं पूर्ण विधिविधान के साथ 6 मार्च को प्रातः भगवान का स्वरूप प्राप्त होगा।

3 मार्च को जन्मकल्याणक मनाया जायेगा। जिसमें विशाल ऐतिहासिक जन्म की खुशियां शोभायात्रा के साथ पूरे अयोक संपूर्ण गृहबंधन छोड़कर दीक्षा का परिदृश्य देखने को मिलेगा। 5 मार्च को भगवानयों को ज्ञान प्राप्त करने वाले दिव्य आत्माओं के समान भगवान को केवलज्ञान की प्राप्ति होगी। 6 मार्च को तीनोंलोकों का ममुद्रा के साथ समस्त आठों कर्मों का नाश करते हुए भगवान अपनी आत्मा को शरीर से पृथक करते हुए सदैव के लिए अजर–अमर बनकर भगवत्ता का स्वरूप प्राप्त करेंगे और मोक्षकल्याणक मनाया जायेगा।

द समस्त इंद्र–इनंद्राणियों में प्रमुख माने जाने वाले सौधर्म इंद्र के रूप में अध्यात्म–अर्पिता जैन लखनऊ विशेष पुण्यार्जन करेंगे। भगवान के माता–पिता बनने का सौभाग्य ज्ञानेशचंद जैन–अलका जैन लखनऊ, महायज्ञनायक अनुपम–सोनाली जैन प्रयागराज, ईशान इंद्र अभय डोटिया–हेमा जैन डोटिया मुम्बई, सानत्कुमार इंद्र सुनील कुमार–मीनाक्षी जैन सर्राफ मेरठ, माहेंद्र इंद्र विनोद–शकुंतला जैन दिल्ली एवं धनकुबेर का सौभाग्य सौरभ–दीपिका जैन–बहराइच को व अन्य अनेक स्थानों से पधारे इंद्र–इंद्राणियों को समस्त अनुष्ठान करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।4 मार्च को प्रसिद्ध गीतकार संगीतकार रूपेश जैन द्वारा संगीत संध्या एवं 5 मार्च को रंगशाला ग्रुप इंदौर की साधना मादावत द्वारा भारतीय संस्कृति की प्राचीनता पर आधारित वर्तमान नव पीढ़ी के लिए अत्यंत प्रेरक नाटिका भी प्रस्तुत की जायेगी। महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को भी आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम की तैयारियों को कार्याध्यक्ष अनिल कुमार जैन, उपाध्यक्षआदीश कुमार जैन सर्राफ, महामंत्री अमरचंद जैन, कोषाध्यक्ष ऋषभ जैन तथा अन्य पदाधिकारियों में जितेंद्र जैन, योगेश जैन, निधेश जैन, परमेंद्र जैन, पंकज जैन, नमन जैन, अंकुर जैन, कमलेश जैन आदि अंतिम रूप देने में लगे हैं।

उपचुनावः नारी शक्ति के हाथ में तीनों पंचायत की सरकार

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के तीन ग्राम पंचायतों में रिक्त प्रधान की सीटों पर उपचुनाव की प्रक्रिया शुक्रवार को पूरी हो गई। तीनों पंचायतों के रिक्त प्रधान पद की सीट पर महिला प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है। उपचुनाव में नारी शक्ति का दबदबा रहा।

तुलसीपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत मुड़िला में अनीता वर्मा व भंगहाकला में हसीना और गैसड़ी ब्लॉक के मध्यनगर में रेशमा को उपचुनाव में जीत दर्ज करने पर प्रमाणपत्र दिया गया। विजयी प्रत्याशियों ने खुशी जताते हुए अपने–अपने गांव में बेहतर सरकार चलाने का वादा किया। तुलसीपुर ब्लॉक परिसर कौवापुर में शुक्रवार को सुबह आठ बजे दो ग्राम पंचायत के रिक्त प्रधान पद पर उपचुनाव के वोटों की काउंटिंग कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू कराई गई। ग्राम पंचायत भंगहाकला में दो व मुड़िला में पांच प्रत्याशियों ने उपचुनाव लड़ा था।

भंगहाकला में 1848 वोटों की गिनती हुई, जिसमें हसीना को 1041 व कुसमावती को 747 वोट मिले, 60 वोट अवैध मिले। हसीना ने 294 वोटों से जीत दर्ज की। मुड़िला में 2800 वोटों की गणना कराई गई, जिसमें अनीता वर्मा को 1320, चंद्रप्रभा को 599, मुन्नी को 53, शीलम को 70 व संजू यादव को 705 वोट मिले। अनीता वर्मा ने 615 वोटों से जीत दर्ज की।

उपचुनाव जीतने वाले ग्राम प्रधानों को एसडीएम तुलसीपुर अभय कुमार सिंह, नायब तहसीलदार शिवेंद्र पटेल व आरओ तनुज त्रिपाठी ने प्रमाण पत्र प्रदान किया। गैसड़ी ब्लॉक की ग्राम पंचायत मध्यनगर में तीन उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। काउंटिंग में रेशमा को 540, फूलमती को 168 व मीना को 141 वोट मिले। 46 मत अवैध मिले। रेशमा ने 372 वोटों से जीत दर्ज की। पर्यवेक्षक अवध नरायन, बीडीओ इंद्र कुमार व एडीओ आईएसबी विपिन भारती ने विजयी प्रत्याशी रेशमा को प्रमाणपत्र दिया। हसीना व अनीता और रेशमा ने जीत दर्ज करने के बाद गांव का विकास करने का वादा किया।

श्रीदत्तगंज ब्लॉक के बीडीओ मोहित दूबे निर्विरोध प्रत्याशियों को भी प्रमाणपत्र दिया गया। श्रीदत्तगंज ब्लॉक की रसूलपुर ग्राम पंचायत में प्रधान पद पर रजीउद्दीन खां का निर्विरोध निर्वाचन हुआ था। सदर व उतरौला ब्लॉक में एक–एक सीटों पर बीडीसी निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। सदर में तीन, हरैया सतघरवा में चार, तुलसीपुर में 16, गैसड़ी में 27, पचपेड़वा व उतरौला में 4–4, गैड़ास बुजुर्ग में सात और रेहरा बाजार पांच ग्राम पंचायत सदस्य सीटों के उपचुनाव में भी निर्विरोध निर्वाचन हुआ है।

गैसड़ी ब्लॉक के हरनहवा सुस्ता ग्राम पंचायत में लोकतंत्र का फूल नहीं खिल सका। हरनहवा सुस्ता में ग्राम प्रधान पद को अनुसूचित जनजाति के कोटे में आरक्षित कर दिया गया था, जबकि गांव में अनुसूचित जनजाति का कोई व्यक्ति नहीं रहता है। ऐसे में हरनहवा सुस्ता में उपचुनाव संभव नहीं है।

डीएम ने चौपाल लगाकर किया ग्रामीणों से संवाद

संवाददाता–देवरिया। सदर विकास खंड के बगहा मठिया में गांव की समस्या, गांव में समाधान कार्यक्रम के तहत जन चौपाल का आयोजन जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में हुआ। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर शिकायतें सुन संबंधित विभागों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा है कि सभी पात्र व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ग्रामीणों को जागरूक करें और सभी सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वृद्धा पेंशन और विधवा पेंशन जैसी योजनाओं में कोई लक्ष्य सीमा (टारगेट) नहीं है। पात्र व्यक्ति द्वारा आवेदन करने पर सरकार द्वारा सीधे उनके बैंक खातों में धनराशि भेजी जाती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गांव के युवाओं को ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे स्वयं के साथ–साथ अन्य जरूरतमंदों की भी सहायता कर सकें। इस दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं के तहत सहायता प्रदान की। अन्नप्राशन एवं गोद भराई कार्यक्रम किया गया। विधवा पेंशन एवं निराश्रित महिला पेंशन के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। आयुष्मान भारत योजना के तहत लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए। दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण दिए गए। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र सौंपे गए। अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड के लाभार्थियों को कार्ड वितरित किए गए। अच्छा कार्य करने वाले राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन समूह को डीएम द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने उच्च प्राथमिक विद्यालय में वृक्षारोपण किया।चौपाल में मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पाण्डेय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश झा, उप जिलाधिकारी सदर श्रुति शर्मा, बेसिक शिक्षा अधिकारी शालिनी श्रीवास्तव, तहसीलदार, जिला विकास अधिकारी रविशंकर राय, खंड विकास अधिकारी, कृषि विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

अपूर्व और विलक्षण है प्रयागराज महाकुंभ –आचार्य मिथिलेशनंदिनी

संवाददाता–गोरखपुर। सुपरिचित संत, आध्यात्मिक विचारक एवं सिद्धपीठ श्रीहनुमन्निवास धाम अयोध्या के महंत आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण ने प्रयागराज महाकुंभ 2025 को अपूर्व और विलक्षण बताते हुए कहा है कि दुनिया के इस सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन को व्यवस्था की दृष्टि से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस सुचारुता से सुनिश्चित किया वह अभिनंदनीय है। उन्होंने कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि हमारे पास धर्मनिष्ठा से संपन्न नायक योगी आदित्यनाथ हैं। आचार्य मिथिलेशनंदिनी शनिवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के कला संकाय के तत्वावधान में 'महाकुंभ 2025 रू परम्परा, अनुष्ठान और महत्ता' विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ 2025 कई आयामों में अपूर्व है। अतीत के कुंभ आयोजनों को देखें तो यह महाकुंभ में श्रद्धाप्वार अपूर्व है। इतनी बड़ी संख्या में समाज का इस महाकुंभ में आना और यहां की सुचारू व्यवस्था भी अपूर्व है। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों ने केंद्रीय कार्यक्रम मानकर कभी कुंभ को पुरस्कृत नहीं किया लेकिन यह ऐसा पहला कुंभ है, जिसमें मुख्यमंत्री ने चप्पे–चप्पे पर जाकर व्यवस्था की सुचारुता सुनिश्चित की। मुख्यमंत्री के समर्पित प्रयास के चलते ही उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के रूप में इस धरती का सबसे बड़ा मेला आयोजित हुआ।

आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण ने कहा कि उत्तर प्रदेश आध्यात्मिक और धार्मिक वैभव का वैश्विक अग्रदूत है और इसके मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या, काशी और मथुरा के बिना भारत की कल्पना नहीं की जा सकती और यह तीनों महत्वपूर्ण स्थल उत्तर प्रदेश में हैं। देश के अन्य राज्यों में तीर्थ हैं लेकिन तीर्थराज प्रयाग उत्तर प्रदेश में है। प्रयागराज में इस बार का महाकुंभ इसलिए भी विलक्षण है कि जहां पहले के कुंभ प्रश्नों और चिंताओं के कुंभ होते थे, वहीं इस बार का महाकुंभ उत्तर का कुंभ है। पहले कुंभ के आयोजनों में यह प्रश्न उठते थे या चिंताएं होती थीं कि अयोध्या में रामलला विराजमान हो पाएंगे क्या, कश्मीर से धारा 370 हट पाएगी क्या लेकिन इस बार के कुंभ में इन सभी सवालों के उत्तर पर विमर्श हो रहा है। केंद्र से उत्तर प्रदेश तक धर्मसत्ता अनुप्राणित जीवन की अवधारणा को समझने वाली सरकार के होने से यह संभव हुआ है।

श्रीहनुमन्निवास धाम अयोध्या के महंत ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ को 1947 के बाद सबसे बड़ा आंदोलन या धार्मिक पुनर्जागरण कहा जाना चाहिए। 60 करोड़ लोग एक ही शहर की यात्रा पर हों, ऐसा पहली बार हुआ है। उन्होंने कहा कि कुछ व्यवस्थागत कठिनाइयां जरूर हुई लेकिन भारतीय चेतना दुर्घटना से कुंठित नहीं होती। भारतीय चेतना महाभारत जैसे विशाल युद्ध में भी गीता जैसे ज्ञान अमृत को निकालने वाली है। आचार्य मिथिलेशनंदिनी ने कहा कि मंथन से अमृत निकालने में उससे निकलने वाला गरल (विष) भी पचाना पड़ता है। समुद्र मंथन से निकले गरल को महादेव शिव ने अपने कंठ में ग्रहण किया तो इस बार महाकुंभ के गरल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आत्मसात किया और देश–दुनिया ने इसे देखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा ऐसा करने की कोई कल्पना भी नहीं कर सकता।

आचार्य मिथिलेशनंदिनी ने कहा कि गंगा को मात्र नदी खाने वाले दया के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि विश्व को संकट या खतरा अज्ञ (अनपढ़), विज्ञ (ज्ञानी) से नहीं बल्कि कम जानने वालों से है। गंगा के जल के प्रदूषित होने की बात वही लोग कह रहे हैं जो ठीक से न जानने वाले हैं। उन्होंने कहा कि गंगा जी को लेकर विज्ञान का हौव्वा उपनिवेश की कुंठा से जनित अवधारणा है। आचार्य मिथिलेशनंदिनी ने प्रयागराज महाकुंभ 2025 को भारतपुरुष का विराट रूप दर्शन बताया। उन्होंने कहा कि इस महाकुंभ ने सारे दुष्प्रचारों को दरकिनार कर यह दिखाया है कि भारत की पारंपरिकता और एकात्मकता की निष्ठा सर्वोपरि है। यह ऐसा आयोजन है जहां संपूर्ण भारत भाषा, वेशभूषा, भोजन, क्षेत्र आदि सारे विभेद भूलकर एक साथ सोच रहा है। एक साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसा कोई धर्म दर्शन नहीं है जहां मनुष्य, ईश्वर के समकक्ष माना जाता हो। जीव और ईश्वर साथ चल सकते हैं तो यह भारतीय चेतना का ही अमृत है। प्रयागराज महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा उत्सव है जहां एक भाव, एक विचार, एक लक्ष्य लेकर लोग एक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

श्रीहनुमन्निवास धाम अयोध्या के महंत ने कहा कि मां गंगा में मलिनता से मुक्त करती हैं। पतित से पतित व्यक्ति भी मां गंगा से अपनी शुद्धि की कामना करता है। उन्होंने कहा कि अन्य धार्मिक अवधारणाओं में जहां पाप करने वालों को उनके ही पाप में जलाने की बात है तो वहीं भारतीय चिंतन में यह कहा गया है कि यदि पाप की पराकाष्ठा वाला व्यक्ति भी आत्मग्लानि के भाव से मां गंगा में डुबकी लगा ले तो वह पाप मुक्त हो जाता है। उन्होंने बताया कि 10 हजार मुख्य तीर्थों और 60 करोड़ गौड़ तीर्थों का निवास प्रयागराज में है। संगम इस तीर्थराज का सिंहासन है और अक्षय वट इसका छत्र। आचार्य मिथिलेशनंदिनी ने गंगा की शुद्धता पर प्रतिकूल टिप्पणी करने वाले लोगों को दो टूक सुनाते हुए कहा कि गंगा की शुद्धि पर बोलने वाले पहले अपनी शुद्धि प्रमाणित करें। उन्होंने कहा कि वास्तव में यह ऐसे और असंतोष से भरे लोग हैं जो मीडिया की नजर में आपदा में अपना अवसर खोज रहे हैं।

पौराणिक काल में अमृत की चाह में कुछ और चाटकर दो भाग में अपनी जीभ करने वाले सर्पों की भांति ऐसे लोगों की जीभ भी मीडिया में लपलपा रही है। उन्होंने कहा कि यह गंगा की पावनता है कि घर पर आरओ वाटर पीने वाले लोग भी महाकुंभ स्नान के बाद बोतल में भरकर गंगाजल अपने घर ला रहे हैं। मां गंगा सबको शुद्ध करने वाली पावन धारा हैं। उनकी पवित्रता पर बोलने वालों ने भारतीय परंपराओं को मलिन करने का काम किया है। आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण ने कहा कि 2025 में प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ आस्था का पुनर्जागरण काल है और इतिहास इसे इसी रूप में दर्ज करेगा। उन्होंने कहा कि परंपरा, अनुष्ठान के रूप में महाकुंभ सदैव बना रहेगा। प्रयागराज महाकुंभ में 60 करोड़ लोगों को एकात्मक कर दिया।

इस महाकुंभ ने बताया कि भारतीय हैं तो हम अविच्छिन्न आस्था की सदानीरा में डुबकी लगाएंगे। इस महाकुंभ ने बताया कि भारत एकात्मक होकर जीता है। इस दिव्य और भव्य आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जितना अभिनंदन किया जाए वह कम है। ऐसे कुंभ की कल्पना नहीं की जा सकती थी। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के जरिए सनातन धर्म का मान पूरे विश्व में बढ़ गया है और यही कई लोगों के लिए चिंता का विषय भी है। महाकुंभ पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आयुर्वेद संकाय के आचार्य प्रो. के. रामचंद्र रेड्डी ने कहा कि महाकुंभ अनेकता में एकता का एक प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रम है। उन्होंने महाकुंभ को आयुर्वेद और ज्योतिष ग्रह विज्ञान की दृष्टि से समझाते हुए कहा कि चरक संहिता और सुश्रुत संहिता में गंगा के प्रवाह का उपचारीय उल्लेख मिलता है।

देश के किसी भूभाग में रहने पर बोलें मातृभाषा –कविता शर्मा

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। सीबी सिंह लॉ कॉलेज सोनगांव में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर भाषण, गीत और निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का असिस्टेंट प्रोफेसर कविता शर्मा एवं प्रथम संभाषण असिस्टेंट प्रोफेसर चंद्रप्रकाश तिवारी ने दिया।

कविता शर्मा ने कहा कि मातृभाषा के संरक्षण के लिए सबसे बढ़िया तरीका जैसा देश वैसा भेष की कहावत को चरितार्थ करना है। यदि हम परिवार में रहें तो मातृभाषा बोलें और राष्ट्र के किसी भाग में हों तो राष्ट्रभाषा बोलें और यदि हम विदेश में हों तो अंतर्राष्ट्रीय भाषा बोलें। असिस्टेंट प्रोफेसर शरद सिंह ने मातृभाषा के संरक्षण के लिए पहल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार बांग्लादेश द्वारा की गई थी क्योंकि यूनाइटेड पकिस्तान में बांग्लादेश के ऊपर बांग्ला भाषा के स्थान पर उर्दू को लादा जा रहा था। विश्व के इतिहास में यह पहला देश का विभाजन है जो भाषा के आधार पर हुआ था। आईक्यूएसी समन्वयक राजेन्द्र कुमार वर्मा मातृभाषा प्रत्येक मनुष्य की पहली भाषा है और बाद में वो दूसरी तीसरी या चौथी भाषा सीखता है।

विवेकानंद मौर्य, अंशिका, छात्रा आफरीन बानो, कबीर भानु प्रकाश, सुन्दरम चौहान, इंद्रा कुमारी, अरुन वर्मा, अंकित राज व चन्द्रभान गौतम ने सम्बोधित किया।

जूरी मेंबर्स में प्राचार्य, उप प्राचार्य और आदित्य इण्डिया फाउंडेशन की संस्थापक सुश्री वर्षा त्रिपाठी शामिल रहीं जिसमें बेस्ट स्पीकर अवार्ड शिक्षक वर्ग में सुश्री कविता शर्मा को दिया गया।

निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अंशिका वीए एलएलबी प्रथम सेमेस्टर, दूसरे स्थान पर आफरीन बानो एवं तीसरे स्थान पर अंकित राज एलएलबी प्रथम सेमेस्टर रहे।

किसानों का इंतजार खत्म, जल्द पहुंचेगी 19वीं किस्त की राशि

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाली 19वीं किस्त का इंतजार अब खत्म होने वाला है। 24 फरवरी को प्रधानमंत्री द्वारा बिहार के भागलपुर से 19वीं किस्त का हस्तांतरण किया जाएगा। हालांकि जिले में 27 हजार से ज्यादा किसान ऐसे भी हैं, जिन्हें इस किस्त का लाभ नहीं मिल पाएगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को प्रत्येक चार माह पर दो हजार रुपये की दर से वर्ष में छह हजार रुपये खेती के लिए प्रदान किया जाता है। सरकार अब 19वीं किस्त किसानों के खाते में भेजने की तैयारी में है। 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार प्रांत के भागलपुर से 19वीं किस्त का हस्तांतरण करेंगे। इसके बाद किसानों के खाते में संबंधित राशि पहुंच जाएगी। संबंधित किस्त का लाभ जिले में इस बार 3 लाख 90 हजार 796 किसानों को मिलेगा। दूसरी तरफ किसानों का कहना है कि सरकार की यह योजना काफी लाभप्रद है। लेकिन सरकार को राशि में बढ़ोत्तरी करने की जरूरत है। जिससे किसानों की खेती और बेहतर ढंग से हो सके

गर्मी बढ़ने के साथ शहर में बढ़ा मच्छरों का प्रकोप

संवाददाता–संतकबीरनगर। मौसम में तेजी से बदलाव होने के साथ ही शहर में मच्छरों का प्रकोप बढ़ने लगा है। शहर की गंदी नालियों की वजह से मच्छर तेजी से पनप रहे हैं। मच्छरों के नियंत्रण के लिए फॉगिंग भी नियमित रूप से नहीं की जा रही है। यही कारण है कि शाम होते ही घर में मच्छर बैठने नहीं दे रहे हैं। मौसम में बदलाव होने के साथ ही मच्छरों का प्रकोप तेजी से फैलता है। इसके लार्वा नालियों में जन्म ले रहे हैं और फिर घरों में उत्पात मचा रहे हैं। नालियों की सफाई समय पर नहीं होने और एंटी लार्वा का छिड़काव भी नहीं हो रहा है। इसकी वजह से मच्छर तेजी से पनप रहे हैं और मच्छरों के नियंत्रण के लिए प्रयुक्त होने वाले उपकरणें की भी डिमांड बढ़ती जा रही है। शास्त्रीनगर के रहने वाले देवनाथ वर्मा ने बताया कि नालियों की गंदगी की वजह से इस वर्ष मच्छरों का प्रकोप रुका ही नहीं। ठंडक में भी मच्छर लग रहे हैं। पहले नालियों की सफाई समय से हो जाती थी। अब तक एक वर्ष में मुश्किल से दो बार नाली की सफाई हुई। मड़या के रहने वाले राजेश सिंह ने बताया कि नालियों की नियमित रूप से सफाई नहीं हो रही है। इसकी वजह से मच्छर तेजी से पनप रहे हैं। अचकवापुर के नागेश ने बताया कि वार्ड में न तो फॉगिंग हो रही है और न ही एंटी लार्वा का छिड़कवा ही किया जा रहा है।

विदेश भेजने के लिए बीजा देने के नाम पर हड़प लिया 11 लाख रुपये

संवाददाता–संतकबीरनगर। विदेश भेजने के लिए बीजा देने के नाम पर 11 लाख रुपये अधिक रकम लेकर हड़प लेने के मामले में बाप–बेटे और उसके एक रिश्तेदार के खिलाफ दुधारा पुलिस ने शुक्रवार को केस दर्ज किया। आरोप है कि पीड़ित और उसके मित्रों से बीजा देने के नाम पर आरोपियों ने रकम ले लिया और बीजा नहीं दिया। उल्टे रुपये वापस मांगने पर जानमाल की धमकी दे रहे हैं। दुधारा निवासी तारिक महमूद खान पुत्र स्वर्गीय महमूद आलम का आरोप है कि वह रोजगार के सिलसिले में 14 जून 2024 को अपना पासपोर्ट बनवाएं थे। विदेश में रोजगार करने के लिए कहीं से बीजा मिलने का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच गांव के इमरान अगस्त 2024 में उसे व उसके पांच मित्रों से मिले और कहे कि ग्राम जातेडीहा दुबौलिया उसके सगे बुआ का लड़का अहसन कमर दुबई में रहता है। वह दो–दो लाख रुपये लेकर विदेश भेजने का काम करता है। वे लोग उसके झांसे में आ गए। इमरान के कहने पर अगस्त 2024 उसके बुआ के बेटे अहसन कमर के मोबाइल पर ऑनलाइन थोड़ा–थोड़ा करके 11 लाख 70 हजार रुपये भेज दिए तथा छह लाख 30 हजार रुपये इमरान को दो किस्तों में 7 नवंबर 2024 और दूसरी किस्त 11 दिसंबर 2024 को कैश दिए। कुछ दिन इंतजार करने के बाद बीजा के संबंध में बात करने के लिए इमरान के पास गया तो वह हीला हवाली करने लगे। वे लोग आखिरी बार 29 दिसंबर 2024 को इमरान के यहां गए तो वहां कुछ अन्य लोग मिले। तब पता चला कि यह लोग भी इमरान उपरोक्त के माध्यम से बीजा के लिए पैसा दिए है और अपने–अपने पासपोर्ट की छाया प्रति भी दिए है। जिसके लिए इमरान के दरवाजे पर हो हल्ला हो रहा था। वहीं पर पता चला कि इमरान और उसके पिता ने मिलकर विश्वास में लेकर धोखाधड़ी करके करीब 11 लाख रुपये से अधिक हड़प लिए है। 30 अगस्त 2024 से अक्तूबर 2024 तक तमाम लोगों से रुपये लेकर अहसन कमर जो दुबई में रहता है,जो जातेडीहा का निवासी है,उसके खाते में ट्रांसफर हुआ है।

आरोप है कि अब तक इमरान और उसके पिता अब्दुल हाफिज उर्फ मुगल व अहसन कमर किसी को बीजा नहीं दिए। उल्टे अपने रुपये मांगने पर अपशब्द और जानमाल की धमकी दे रहे है। एसओ इंद्रभूषण सिंह ने बताया कि इमरान ,उसके पिता अब्दुल हफीज उर्फ मुगल और अहसन कमर के खिलाफ अमानत में खयानत का मुकदमा दर्ज किया गया।

खोराबार के युवक ने बनवा लिया था दो पासपोर्ट, मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। खोराबार इलाके के एक व्यक्ति ने जालसाजी कर दो पासपोर्ट बनवा लिया है। खोराबार थाना अंतर्गत डांगीपार चौकी इंचार्ज सूर्यकांत पंडित की तहरीर पर पुलिस शुक्रवार की देर रात आरोपित अविनाश मौर्या निवासी छावनी टोला लालपुर टीकर थाना खोराबार के खिलाफ केस दर्ज कर विवेचना कर रही है। दरोगा ने अपनी तहरीर में बताया कि 31 जनवरी 2024 को पासपोर्टधारक निर्भय मौर्या, अविनाश मौर्या पुत्र राकेश मौर्या निवासी लालपुर टीकर थाना खोराबार द्वारा नाम पता एवं जन्मतिथि बदलकर फर्जी व कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर दो पासपोर्ट रखने के संबंध में आरोप की जांच की गई। जांच में पाया गया कि अविनाश मौर्य ही निर्भय मौर्या के नाम से दूसरा पासपोर्ट बनवाया है। अविनाश मौर्या पुत्र राकेश मौर्या निवासी छावनी टोला लालपुर टीकर थाना खोराबार द्वारा नाम एवं जन्मतिथि बदलकर फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेजों का प्रयोग करते हुए गलत तरीके से दो पासपोर्ट बनवा लिया है। खोराबार पुलिस उपनिरीक्षक सूर्यकांत पंडित की तहरीर पर अविनाश मौर्या पुत्र राकेश कुमार मौर्या निवासी ग्राम छावनी टोला लालपुर टीकर थाना खोराबार के खिलाफ गम्भीर धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है।

राजस्व विभागों के लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि को बढ़ाएं –जिलाधिकारी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैश बोर्ड के संबंध में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व विभाग के लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के द्वारा विभिन्न विभागों के पोर्टल का क्लब कर सीएम डैश बोर्ड के नाम से एकीकृत पोर्टल बनाया गया है। इसकी मुख्यमंत्री कार्यालय से लगातार निगरानी की जा रही है। इसी के आधार पर जनपद के अधिकारियों की रैंकिंग निर्धारित की जा रही है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने राजस्व से संबंधित विभागों जीएसटी, उद्योग विभाग, खनन विभाग, स्टाम्प, गन्ना, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, शिक्षा एवं खेलकूद, वन विभाग, विद्युत, आबकारी व अन्य विभाग के अधिकारियों से माह जनवरी की प्रगति की प्रत्येक बिन्दु पर गहन समीक्षा की गई।

उन्होंने लक्ष्य बढ़ाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने अमीनों के साथ मदवार आरसी वसूली की समीक्षा कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने मंडी आय एवं आवक में सुधार लाने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने कृषक दुर्घटना बीमा के लंबित पत्रावलियों को अभियान चला कर निस्तारित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। आबकारी व खनन विभाग को प्रवर्तन की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। राजस्व न्यायालयों पर लंबित वादों के निस्तारण में सुधार लाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी डा. सदानंद गुप्ता, समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार तथा संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रयागराज से लौट रहे श्रद्धालुओं की स्कार्पियो ट्रैक्टर–ट्राली में घुसी, तीन की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। बांसगांव इलाके में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर टोल प्लाजा के पास शुक्रवार की देर रात तेज रफ्तार स्कार्पियो आगे जा रही ट्रैक्टर–ट्रॉली में घुस गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। सभी प्रयागराज में कुंभ स्नान कर लौट रहे थे। नेपाल के रहने वाले सभी श्रद्धालु बिहार से गाड़ी बुक कर प्रयागराज गए थे। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। नेपाल के रहने वाले दस श्रद्धालु स्कार्पियो बुक कर बुधवार को प्रयागराज पहुंचे थे। वहां स्नान करने के बाद रुक गए थे। शुक्रवार दोपहर में वापस घर के लिए निकले थे, लेकिन जाम की वजह से देरी हो गई। घायलों ने बताया कि स्कार्पियो तेज रफ्तार में थी। देर रात बांसगांव इलाके में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर टोल प्लाजा के आगे अचानक एक ट्रैक्टर–ट्रॉली आ गई। उस पर बोरे लदे हुए थे। पीछे रिफ्लेक्टर न होने की वजह से पता नहीं चला और स्कार्पियो उसमें घुस गई। हादसे में आगे की सीट पर बैठे परशुराम और बीच की सीट पर बैठी दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य लोग घायल हो गए। बांसगांव पुलिस ने एंबुलेंस से सभी घायलों को अस्पताल जिला अस्पताल भेजवाया और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। चालक मुकेश की हालत गंभीर होने की वजह से यह नहीं पता चल पाया कि इन लोगों को बिहार में किस जगह पर उतारना था। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। मृतकों की पहचान नेपाल के बलवा चौक, कंचनपुर निवासी हरिहर देवी (42) पत्नी जीतू यादव, वकीलनी देवी (42) पत्नी उपेंद्र यादव और परशुराम (45) के रूप में हुई है। वहीं उपेंद्र यादव, लालू देवी, जीतू यादव, मुकेश सहित सात घायल हो गए।

सुंदरकांड पाठ के साथ अंबेडकरनगर महोत्सव का आगाज

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर में जिले के 29वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अंबेडकरनगर विकास एवं विरासत महोत्सव 2025 का शनिवार को आगाज हो गया है। सांस्कृतिक मंच पर सुबह डीएम अविनाश सिंह, उनकी पत्नी श्वेता सिंह व एसपी केशव कुमार समेत तमाम अधिकारियों की मौजूदगी में संगीतमयी सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। आचार्य गिरीशानंद तिवारी व उनके शिष्यों ने पूरे विधि विधान से पूजन कराने के साथ हवन में आहुतियां डलवाई और महोत्सव के सफल आयोजन की कामना की। इसी के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी शुभारंभ हुआ। विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने मंच पर देशभक्ति, धार्मिक व फिल्मी गीतों पर प्रस्तुतियां देकर सभी का मनमोह लिया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के स्टॉल का डीएम ने निरीक्षण कर उत्पादों के बारे में जानकारी ली।

डीएम ने तामेश्वरनाथ धाम का किया निरीक्षण

संवाददाता–संतकबीरनगर। तामेश्वरनाथ शिव मन्दिर में शिवरात्री पर्व के सम्बन्ध में की जा रही तैयारियों, कानून व्यवस्था एवं मन्दिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था व भीड़ प्रबन्धन की तैयारियों का डीएम ने जायजा लिया। जलाभिषेक के लिए लगने वाली लाइन की बैरिकेटिंग व रुट डायवर्जन के बारे में जानकारी ली। मेला स्थल के आसपास सीसीटीवी लगवाने, अग्निशमन दल व वालेण्टियर्स की सेवा लेने के साथ ही खोया पाया कैम्प आदि स्थापित करने का निर्देश दिया। महाशिवरात्रि के पर्व पर जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता ने तामेश्वरनाथ धाम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था व भीड़ प्रबंधन की गई व्यवस्था आदि के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

जलाभिषेक के लिए लगने वाली लाइन की बैरिकेडिंग और रूट डायवर्जन के बारे में भी विस्तृत चर्चा की गई। दरअसल, संतकबीरनगर जिले में स्थित ऐतिहासिक तामेश्वरनाथ धाम शिवभक्तों के लिए किसी तीर्थ से कम नहीं है। अलौकिक और पौराणिक मान्यताओं को समेटे यह स्थान सामाजिक गतिविधियों का एक उदाहरण भी रहा है।

यहां करीब एक माह तक चलने वाले महाशिवरात्रि मेले में चालिस वर्ष पहले लोगों के शादी के रिश्ते भी पक्के हुआ करते थे। इस मंदिर

के देखरेख का जिम्मा यहां रह रहे भारती परिवार संभालते हैं। जो अपनी बारी के हिसाब से मंदिर की देखरेख करने के साथ ही उससे होने वाली आमदनी को खर्च करने के अधिकारी होते हैं। गांव के बुजुर्ग लोग बताते हैं कि महात्मा बुद्ध ने अपना मुंडन संस्कार यहीं कराया था। ऐसा उनके पूर्वज बताते थे। मंदिर परिसर में स्थित एक अर्धनारीश्वर मंदिर की आकृति भी बुद्ध कालीन मंदिर के ही तरह बना हुआ है। इस बात की तस्दीक मंदिर पर पहुंची पुरातत्व विभाग की टीम ने भी किया था। आज भी लोग अपने बच्चो का मुंडन संस्कार यहां करवाते हैं।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार अज्ञातवास के दौरान पांडव अपनी माता कुंती के साथ तामेश्वरनाथ धाम में पहुंचे थे। जहां शिव की आराधना के लिए कुंती ने शिवलिंग की स्थापना की थी। मंदिर से थोड़ी दूर रामपुर में स्थित एक पोखरे का निर्माण भी पांडवों ने कराया था। जो आज द्वापर के नाम से जाना जाता है। लोगों का ऐसा मानना है कि इस पोखरे का निर्माण द्वापर युग में होने के वजह से इसका नाम द्वापर रहा होगा। पोखरे के निर्माण में प्रयुक्त ईंट भी अपनी ऐतिहासिक स्थिती को बयां करते है।

ढाई सौ काश्तकारों ने जीती जंग, बढ़े मुआवजे के साथ ब्याज भी मिलेगा

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर विकास प्राधिकरण के जंगल सिकरी और सूबा बाजार में अधिग्रहीत जमीन के मालिकों को ढाई सौ करोड़ रुपये तक प्रति हेक्टेयर मुआवजा देना होगा। प्राधिकरण ने यहां काश्तकारों को सिर्फ 16 लाख रुपये हेक्टेयर की दर से मुआवजा दिया है। लारा कोर्ट ने दो अलग–अलग मुकदमों में सुनवाई में दिये गए निर्णय से करीब ढाई सौ काश्तकारों को बढ़ा हुआ मुआवजा मिलेगा। कोर्ट के आदेश के बाद जीडीए की बोर्ड बैठक में भी इस पर मुहर लग गई है। अधिग्रहीत भूमि पर प्राधिकरण खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी योजना विकसित कर रहा है।

दो दशक पूर्व राजस्व ग्राम जंगल सिकरी उर्फ खोराबार एवं खोराबाकेर उर्फ सूबा बाजार में अधिग्रहीत जमीन के लिए प्राधिकरण 16 लाख रुपये हेक्टेयर के दर से मुआवजा दिया था। मुआवजे की दर को लेकर काश्तकार भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुर्न व्यवस्थापन प्राधिकरण (लारा कोर्ट) में चले गए थे। दो अलग–अलग मुकदमों में सुनवाई में लारा कोर्ट ने माना कि काश्तकारों को दिया गया मुआवजा बेहद कम है। कोर्ट के निर्णय के बाद अधिग्रहीत जमीन के ब्याज समेत बढ़े मुआवजे से प्रति हेक्टेयर तकरीबन 02 करोड़ रुपये मुआवजा मिलेगा। बढ़े हुए मुआवजे का लाभ करीब ढाई सौ किसानों को मिलेगा। इन किसानों की करीब 30 हेक्टेयर जमीन जीडीए ने अधिग्रहीत की है।

लारा कोर्ट के न्यायाधीश उदय भान सिंह की अदालत में काश्तकारों ने अधिवक्ता अरुण कुमार सिंह के जरिए बढ़े मुआवजा की मांग के लिए मुकदमा दाखिल किया। चंद्रभान सिंह और सुरेश पासवान बनाम उत्तर प्रदेश सरकार के नाम से हुए दोनों मुकदमों में क्रमशः 87 और 157 काश्तकार शामिल हुए। न्यायाधीश उदय भान सिंह ने तत्परता से सुनवाई की। जिससे लारा कोर्ट ने 29 जुलाई को मुआवजे को लेकर निर्णय ले लिया।

अधिवक्ता अरुण कुमार सिंह ने बताया कि कोर्ट ने काश्तकारों की जमीनों पर प्राधिकरण के कब्जे वाली तिथि से 15 फीसदी ब्याज के साथ 48 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर मुआवजा देने के आदेश दिया हैं। 2007 से भी प्राधिकरण का कब्जा माना जाए तो ब्याज समेत 2 करोड़ रुपये प्रति हेक्टेयर मुआवजा आएगा। अधिवक्ता ने बताया कि प्राधिकरण ने 2006 से कब्जा लेना शुरू किया था। कुछ लोग हाईकोर्ट भी चले गए थे, ऐसे में कब्जा लेने की प्रक्रिया 2012 तक अलग–अलग तिथियों चली।

बोर्ड की बैठक में बढ़े हुए मुआवजे को लेकर बनी सहमति के बाद प्राधिकरण यह मामला विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी को भेज रहा है। पूर्व में भुगतान की गई धनराशि का समायोजन करते हुए ब्याज समेत भुगतान को लेकर निर्णय विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी को लेना है। अधिकारी के सत्यापन के बाद काश्तकारों को बढ़े हुए मुआवजे का भुगतान होगा।

आनंद वर्धन, उपाध्यक्ष, गोरखपुर विकास प्राधिकरणबोर्ड बैठक में कोर्ट के निर्णय के मुताबिक बढ़े मुआवजे के भुगतान पर सहमति बन गई है। मुआवजे के भुगतान के लिए प्रकरण विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी को भेजा जाएगा। वहां से आगणन और सत्यापन के बाद काश्तकारों के खाते में बढ़ा हुआ मुआवजा भेजा जाएगा।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com